हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 87, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 24 सितम्बर, 2023 दिन रविवार गाजीपुर/वाराणसी

जो खेलेगा वही खिलेगा : मोदी

बनारस बनेगा पूर्वांचल का चमकता सितारा, प्रधानमंत्री ने इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की रखी आधारशीला

वाराणसी। ॐ नमः पार्वती पतये, हर-हर महादेव!...का जयघोष कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी के लोगों से नाता जोड़ा। महादेव का नाम लेकर भोजपुरी में संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि आज फिर से बनारस आवे के मौका मिलल हौ, जो आनंद बनारस में हौ, वह कहीं नहीं हौ। वाराणसी के गंजारी में पूर्वांचल के पहले और यूपी के तीसरे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का बटन दबाकर शिलान्यास करने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि काशी में आज एक इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की आधारशिला रखी गई है। ये स्टेडियम न सिर्फ वाराणसी बल्कि पूर्वांचल के युवाओं के लिए वरदान जैसा होगा।

पीएम मोदी ने कहा कि आज क्रिकेट के जरिए दुनिया भारत से जुड़ रही है। नए नए देश क्रिकेट खेलने के लिए आगे आ रहे हैं। जाहिर है कि आने वाले दिनों में क्रिकेट मैचों की संख्या बढ़ने वाली है। जब मैचों की संख्या बढ़ेगी तो नए स्टेडियमों की जरूरत भी पड़ेगी। तब बनारस का ये अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम इस डिमांड को पूरा करेगा। ये पूरे पूर्वांचल का चमकता हुआ सितारा बनने वाला है। पीएम मोदी ने कहा कि युवा टैलेंट को तलाशना और तराशना जरूरी है। पीएम ने कुछ साल पहले और वर्तमान समय का जिक्र कर कहा कि अब धारना बदली है। अब जो खेलेगा वही खिलेगा।

जनसभा में मौजूद लोगों ने मोदी-मोदी के मारे लगाए। इससे पहले महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को नमो लिखा टी-शर्ट भेंट किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज मैं एक ऐसे दिन काशी आया हूं, जब चंद्रमा के शिवशक्ति पॉइंट पर भारत के पहुंचने का एक महीना पूरा हो रहा है। एक शिवशक्ति का स्थान चंद्रमा पर है और दूसरा शिवशक्ति का स्थान यहां काशी में है। जबसे इस स्टेडियम की तस्वीरें बाहर आई है, उन्हें देखकर हर काशीवासी गदगद हो गया है। इस स्टेडियम के पूरा होने पर 30,000 से ज्यादा लोग यहां बैठकर मैच देख पाएंगे। शिलान्यास करने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि यह यूपी का पहला स्टेडियम होगा जिसका निर्माण बीसीसीआई कराएगी। इसके साथ ही उन्होंने खेलो इंडिया अभियान और वाराणसी में मौजूद अन्य खेल सुविधाओं का जिक्र किया। गंजारी में बनने वाले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 30 हजार दर्शकों के बैठने की क्षमता होगी। पीएम मोदी ने कहा कि इसके निर्माण से पूर्वांचल के साथ ही बिहार, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के क्रिकेट खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारने का मौका मिलेगा। इसमें सात पिच (प्रैक्टिस व मेन विकेट), लाउंज, कमेंट्री बॉक्स, प्रेस गैलरी सहित अन्य अत्याधुनिक सुविधाएं होगी।

फ्लड लाइट्स त्रिशूल के आकार की होंगी– अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भगवान शिव और काशी की झलक दिखेगी। इस स्टेडियम का आकार अर्ध चंद्राकार होगा, जिसमे लगी फ्लड लाइट्स त्रिशूल के आकार की होंगी। बिल्डिंग में बेलपत्र की डिजाइन होगी और डिजाइन में डमरू का आकर भी दिखाई देगा। गंगा घाट की सीढ़ियों जैसी दर्शक दीर्घा होगी। इसमें सात पिच (प्रैक्टिस व मेन विकेट), लाउंज, कमेंट्री बॉक्स, प्रेस गैलरी सहित अन्य अत्याधुनिक सुविधाएं होगी।

क्रिकेट की कई हस्तियां रहीं मौजूद– गंजारी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के शिलान्यास के मौके पर बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बिन्नी, सचिव जय शाह व उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला के अलावा हेमंग अमीन व प्रियंक शाह के अलावा पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और रवि शास्त्री, दिलीप वेंगसरकर, कपिल देव, गुंडप्पा विश्वनाथ, मदन लाल, करसन घावरी और गिरीश डोंगरे के साथ ही क्रिकेट की अन्य हस्तियां मौजूद रहीं।

महिला आरक्षण लागू होगा तब तक मोदी नहीं रहेंगे, ये बोले राहुल-गहलोत : खरगे

जयपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी जयपुर पहुंच गए हैं। दोनों नेताओं ने कांग्रेस कार्यालय का शिलान्यास किया। राहुल गांधी ने कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। अगर आप गुलाम बनना नहीं चाहते हो संविधान की रक्षा करो। अगर आप गुलाम नहीं बनना चाहते हो लोकतंत्र को बचाओ। आप गुलाम नहीं बनना चाहते हो एक दूसरे का सपोर्ट करो। आगे आओ हम आपके साथ।

खरगे ने कहा कि महिला आरक्षण बिल का ये लोग जश्न मना रहे हैं। ये बिल राजीव गांधी जी लेकर आए थे। हमने इस बिल का समर्थन इसलिए किया ताकि ये लोग बाद में ये ना कह पाएं कि कांग्रेस पीछे हट गई। लेकिन, हमने सदन में महिला आरक्षण बिल पर अपनी बातें रखीं, कहा कि इसे जल्द लागू करो, ओबीसी के लिए आरक्षण दो। 10 साल में जब तक ये लागू होगा, तब तक मोदी नहीं रहेंगे। खरगे ने कहा कि मोदी जी ने सदन का विशेष सत्र पांच दिन के लिए बुलाया था, लेकिन चार दिन में खत्म कर दिया। इन्होंने ये सत्र काम के लिए नहीं सदन की नई बिल्डिंग दिखाने के लिए बुलाया था। वहां नेताओं, अभिनेताओं ने फोटो सेशन किए, मैं कहना चाहता हूं कि ये सदन फोटो खिंचाने के लिए नहीं है, ये जनता के काम करने के लिए है। खरगे ने कहा कि हम सिर्फ भाजपा के खिलाफ नहीं लड़ रहे। हम ईडी, सीबीआई और तमाम एजेंसियां लगा देते हैं। हमारी सभा होती है तो ईडी का छापा पड़ जाता है। और फिर भाजपा वाले कहते हैं कि हम सविधान से चल रहे हैं।

खरगे ने कहा कि हम सबको मिलकर काम करना है और प्रदेश में सरकार को रिपीट कराना है। एक पल रुकने से दूर हो गई मंजिल, सिर्फ हम ही नहीं रास्ते भी चलते हैं, तुम रुक जाओ तो वहीं खड़े हो जाएंगे, अगर चलते रहे तो रास्ते भी चलते रहेंगे... इसलिए मैं कहता हूं कि छोटी मोदी बातें भूल जाओ और पार्टी की जीत के लिए मेहनत करो। खरगे ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता हमारे कान, आंख और हाथ हैं। ये कार्यकर्ता कांग्रेस को मजबूत करने वाले हैं और इनका सम्मान करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं का फर्ज है कि वे सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाएं, जो लोग झूठ फैला रहे हैं, उनकी कोशिशों को नाकाम करें। ऐसा नहीं किया गया तो पार्टी का प्रचार नहीं होगा। ये नाराज होने का समय नहीं है, ये देश को बचाने का, सविधान को बचाने का समय है। हम मोदी और भाजपा के खिलाफ जो लड़ाई लड़ रहे हैं वो देश के 140 करोड़ लोगों को बचाने के लिए लड़ रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पार्टी है तो हम सब हैं, जब तक राजनीतिक ताकत है तब तक हम बचे रह सकते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का पहला अधिवेशन जयपुर में ही हुआ था। वो एक ऐतिहासिक अधिवेशन था, अब ऐसा कभी नहीं होगा। उस समय में राजस्थान के लोगों ने दिल खोलकर मदद और इसकी चर्चा देशभर में हुई। अधिवेशन को लेकर नेहरूजी ने भी कि इस पर इतना पैसा खर्च करने की जरूरत नहीं थी, लेकिन राजस्थान के लोगों ने कहा कि हम सब मिलकर कर रहे हैं।

बिहार में एक और पुल धंसा; तेज बहाव में सात खंभों ने जगह छोड़ी, आवागमन बंद कराया गया

जमुई। जमुई में बरनार नदी पर बना सोने-चुरहेत काजवे पुल अचानक धंस गया। पानी की तेज बहाव के कारण पुल का तीन से दस नंबर पिलर (खंभा) क्षतिग्रस्त होकर धंस गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुल धंसने की खबर से सुन इलाके के लोग यहां पहुंचे। इसके बाद प्रशासन को जानकारी दी। प्रशासन फौरन पहुंची और आवागमन पर रोक लगा दिया। फिलहाल पुल के दोनों छोर पर बैरिकैडिंग कर दी गई है। आवागमन ठप होने के कारण कई गांव के लोगों का शहर से संपर्क टूट गया है। प्रशासन के अनुसार, लगातार बारिश के कारण नदियों का जलस्तर उफान पर है। पानी की तेज बहाव के कारण पुल धंस गया। यह पुल सोनो प्रखंड मुख्यालय को पश्चिम क्षेत्र से जोड़ती है। इससे आसपास के कई गांव का संपर्क टूट गया। वही पुल धंसने ने की सूचना पर स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंची और एहतियात बरतते हुए सोनो चुरहेत काजवे मार्ग पर परिचालन को पूरी तरह रोक दिया गया। पुल के दोनों और बेरिकेडिंग कर दी गई है। प्रशासन का कहना है कि पुल की मरम्मती का काम जल्द से जल्द करवाया जा रहा है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गुरुवार से मूसलाधार बारिश हो रही है। पानी के तेज बहाव के कारण बरनार नदी पर बना सोनो चुरहेत काजवे पुल का तीन से 10 पिलर नदी में धंस गया है। सूचना मिलते ही अंचलाधिकारी राजेश कुमार, थानाध्यक्ष चितरंजन कुमार व एसआई विपिन कुमार पुलिस जवानों के साथ मौके पर पहुंचे। इन्होंने क्षतिग्रस्त काजवे पुल का मुआयना किया। इसके बाद पुल पर परिचालन पूरी तरह बंद कर कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस पुल से कई गांवों के लोगों का आना-जाना लगा रहता है। काजवे, चुरहेत समेत अन्य गांवों के लोग प्रखंड मुख्यालय आने-जाने के लिए इसी पुल का उपयोग करते है। कई छोटे और बड़े वाहनों का भी परिचालन लगा रहता है। लेकिन पुल क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण यहां के ग्रामीणों को अब काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

गठबंधन में सीटें मांग नहीं रहे, दे रहे हैं कहा- इस बार है बड़ी लड़ाई : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सपा गठबंधन में सीट मांग नहीं रही है बल्कि सीट दे रही है। गठबंधन के सभी सहयोगी दलों के साथ मिलकर सीटों पर बात हो जाएगी। हमने पहले भी गठबंधन किए और सपा ने त्याग किया, इस बार लड़ाई बड़ी है। सपा सबको साथ लेकर चलेगी। लोकतंत्र और संविधान बचाना है। सपा प्रदेश मुख्यालय में शनिवार को घोसी विधानसभा क्षेत्र और मऊ के कार्यकताओं की बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए अखिलेश ने कहा कि घोसी विधानसभा उपचुनाव की जीत से आने वाले लोकसभा चुनाव के लिए भी रास्ता मिल गया है। पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) और बुनकर भाई मिलकर जीत सुनिश्चित करेंगे। घोसी उपचुनाव की जीत का संदेश बहुत बड़ा है। कार्यकर्ता और नेता अपना चुनाव समझकर आंदोलनकारी बनकर सरकार के खिलाफ एक हो जाएं तो जीत भी मिलेगी और संदेश भी बड़ा जाएगा। सपा डा. आंबेडकर और नेताजी (मुलायम सिंह यादव) के रास्ते पर चलकर संविधान बचाएगी। मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में सपा के प्रत्याशियों को लेकर अखिलेश ने कहा कि पार्टी कई सीटों पर मजबूत है। पार्टी के कार्यकर्ता काम कर रहे हैं, अब गठबंधन बन गया

है तो गठबंधन के साथ बातचीत करके मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए निर्णय करेंगे। बसपा सांसद दानिश अली के सवाल पर अखिलेश ने कहा कि वो सपा-बसपा गठबंधन में चुनाव जीते थे, वह सपा के भी हैं। भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी के बयान को लेकर अखिलेश ने कहा कि ऐसे नेताओं पर ताउम्र चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लग जाना चाहिए।

धार्मिक नेता नहीं, आतंकवादी था हरदीप सिंह निज्जर; भारत पर हमला करने के लिए युवाओं को देता था प्रशिक्षण

नई दिल्ली। खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के कारण भारत और कनाडा के बीच विवाद पैदा हो गया है। हालांकि, निज्जर धार्मिक या सामाजिक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक आतंकवादी था, जो आतंकी गतिविधियों में शामिल था। एक न्यूज एजेंसी ने सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि हरदीप सिंह निज्जर गुरदीप सिंह उर्फ दीपा हेरनवाला का करीबी सहयोगी था। हेरनवाला 1980 के दशक के अंत में पंजाब में करीब 200 लोगों की हत्या में शामिल था। वह प्रतिबंधित खालिस्तान कमांडो फोर्स में शामिल था। निज्जर 1996 में गिरफ्तारी के डर से कनाडा भाग गया था। यहां वह नशीली दवाओं की तस्करी और जबरन वसूली जैसी अवैध गतिविधियों में शामिल हो गया। उसने ऐसा आतंकी गतिविधियों के लिए धन की व्यवस्था करने के लिए किया। हरदीप सिंह निज्जर ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में एक आतंकी शिविर में भारत पर हमला करने के लिए युवाओं को ट्रेनिंग दे रहा था। वह प्रतिबंधित आतंकी समूह खालिस्तान टाइगर फोर्स के ऑपरेशन चीफ भी रहे। निज्जर ने 2012 में पाकिस्तान का दौरा किया था। इस दौरान वह अन्य प्रतिबंधित आतंकी समूह बब्बर खालसा इंटरनेशनल के प्रमुख जगतार सिंह तारा के संपर्क में आया। तारा ने उसे हथियार मुहैया कराए। पीटीआई ने सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि निज्जर ने तारा को 10 लाख पाकिस्तानी रुपये भी भेजे। निज्जर भारत में कई साजिशों में शामिल रहा। उसने 2014 में तारा के कहने पर हरियाणा के सिरसा जिले में डेरा सच्चा सौदा मुख्यालय पर आतंकी हमले की योजना बनाई थी। हालांकि, यह हमला नहीं हो सका, क्योंकि भारत ने निज्जर को वीजा देने से इनकार कर दिया था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने खालिस्तानी अलगाववादी मनदीप सिंह धालीवाल से जुड़े एक मॉड्यूल को खड़ा करने के लिए निज्जर के खिलाफ कई मामले दर्ज किए। उसके खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया।

कौशल विकास घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंचे चंद्रबाबू नायडू, एफआईआर रद्द करने की मांग

नई दिल्ली। कौशल विकास घोटाला मामले में गिरफ्तार आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम और टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने आज सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। नायडू कथित घोटाला मामले में उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। इससे पहले आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। नायडू ने आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले को चुनौती दी है, जिसमें कोर्ट ने एफआईआर को रद्द करने की याचिका खारिज कर दी थी। याचिका खारिज होने के बाद, विजयवाड़ा की एक अदालत ने आंध्र प्रदेश सीआईडी को पूछताछ के लिए नायडू की दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। बता दें कि तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू को कथित घोटाले में 10 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था और अभी तक वो हिरासत में हैं। साल 2021 में सीआईडी ने आंध्र प्रदेश राज्य कौशल विकास निगम में करोड़ों रुपये के घोटाले को लेकर एक एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें नायडू को 37वां आरोपी बनाया गया। बीते दिन हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति के. श्रीनिवास रेड्डी की एकल पीठ ने नायडू की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे और सिद्धार्थ लूथरा की अपीलों को खारिज कर दिया था।

'2015 से अबतक 3.97 लाख लापता बच्चों को परिवार से मिलाया गया', केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने दी जानकारी

नई दिल्ली। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने लापता बच्चों के मुद्दे पर बयान दिया है। शनिवार को उन्होंने कहा, 2015 से अब तक 4.46 लाख लापता बच्चों में से अधिकांश को उनके परिवार से मिला दिया गया है। राष्ट्रीय वार्षिक हितधारक परामर्श के उद्घाटन सत्र में कैबिनेट मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा, 2015 में लॉन्च किए मंत्रालय के खोया पाया पोर्टल के जरिए उन्हें ढूंढा गया। उन्होंने कहा, 4.46 लाख लापता बच्चों में से 3.97 लाख

बच्चों का पता लगाकर उन्हें उनके परिवारों को सौंप दिया गया है। वहीं, बच्चों को गोद लेने के मामले पर बोलते हुए मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा, 2021 में किशोर न्याय अधिनियम संशोधन के बाद अदालतों के बजाए जिला मजिस्ट्रेटों के जरिए गोद लेने की प्रक्रिया की जाती है। लगभग 2,600 बच्चों को गोद लिया गया है। मंत्री ईरानी ने कहा, बाल कल्याण के लिए सरकार का बजट आवंटन 2009-10 में 60 करोड़ रुपये से बढ़कर पिछले वर्ष 14,172 करोड़ रुपये हो गया है। 2014 से बाल देखभाल संस्थानों के माध्यम से हमने सात लाख से अधिक बच्चों को सहायता प्रदान की है।

अब साढ़े चार घंटे में पहुंच जाएंगे आगरा से प्रयागराज, भगवा रंग में चलेगी आठ कोच की ट्रेन

आगरा। आगरा से प्रयागराज का करीब 447 किलोमीटर का सफर जल्द ही साढ़े चार घंटे में तय होगा। इसके लिए उत्तर मध्य रेलवे आगरा मंडल से वंदे भारत एक्सप्रेस चलने जा रही है। रेलवे बोर्ड को इसका प्रस्ताव भेजा गया है। उम्मीद है कि ट्रेन दीपावली से ठीक पहले चलने लगेगी। भगवा रंग की ट्रेन में आठ कोच होंगे। आगरा मंडल की यह दूसरी वंदे भारत ट्रेन होगी। रेल मंत्रालय ट्रेनों में यात्रियों की सुविधा और कम समय में सफर तय करने पर विशेष ध्यान दे रहा है। इसके लिए वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन किया जा रहा है। आगरा रेल मंडल की पहली वंदे भारत एक अप्रैल 2023 को रानी कमलापति भोपाल से हजरत निजामुद्दीन स्टेशन के मध्य चली थी। अब दूसरी ट्रेन चलने जा रही है। यह ट्रेन आगरा से प्रयागराज के मध्य चलेगी। 447 किमी की दूरी को तय करने में सामान्य ट्रेन सात से आठ घंटे तक का समय लेती हैं।

उम्रकैद की सजा काट रहे कैदी की जेल में मौत; परिजन बोले- पुलिस ने जानबूझकर नहीं बुलाई एंबुलेंस

महराजगंज। जिला कारागार में आजीवन कारावास की सजा काट रहे खजुरिया गांव के राम सजन की बीमारी के चलते शनिवार दोपहर मृत्यु हो गई। तबीयत बिगड़ने पर जिला कारागार से उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों ने मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया। आरोप है कि जेल प्रशासन एंबुलेंस से न ले जाकर जेल की गाड़ी का इंतजार करने लगा, इसी बीच राम सजन ने दम तोड़ दिया। जिला अस्पताल पहुंचे स्वजन ने हंगामा शुरू कर दिया। उनका आरोप था कि जेल प्रशासन की लापरवाही के चलते मृत्यु हुई है। खजुरिया गांव निवासी राम सजन पर 17 मई 1999 को दूध में मिलावट के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया था। 23 वर्षों तक मुकदमे के विचारण के बाद नौ अप्रैल 2022 को महराजगंज के अपर सत्र न्यायाधीश रेखा सिंह ने राम सजन को दोषी घोषित करते हुए आजीवन कारावास और 20 हजार रुपये के अर्थ दंड की सजा सुनाई थी। सजा होने के बाद से रामसजन जिला कारागार में निरुद्ध था। अस्थमा की शिकायत होने पर उसे पिछले 10 दिनों से जिला कारागार अस्पताल में भर्ती किया गया था, शनिवार की सुबह तबीयत ज्यादा खराब होने पर सुबह 10 बजे जेल से उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां पर इलाज के बाद चिकित्सकों ने बीआरडी मेडिकल कालेज गोरखपुर के लिए रेफर कर दिया। रेफर होने के बाद जिला कारागार से रेफरल की कार्रवाई पूरी होने के समय और जेल के एंबुलेंस के इंतजार में रामसजन की मृत्यु हो गई। मृत्यु होने के बाद जिला अस्पताल में पहुंचे मृतक के स्वजन ने हंगामा शुरू कर दिया। स्वजनों का आरोप है, कि जेल प्रशासन की लापरवाही के चलते रामसजन की मृत्यु हुई है। अगर समय से जेल से कागजात और एंबुलेंस आ गई होती तो जान नहीं जाती। जेल अधीक्षक प्रभात सिंह ने बताया कि रामसजन अस्थमा और मधुमेह रोग से पीड़ित था। पिछले 10 दिनों से उसे जिला कारागार अस्पताल में भर्ती किया गया था।

संपादकीय

घरेलू बचत का लगातार गिरना निम्न और मध्यवर्ग ही नहीं, पूरी अर्थव्यवस्था के लिए चिंता की बात

किसी देश की अर्थव्यवस्था इस पैमाने पर भी आंकी जाती है कि उसकी घरेलू बचत, प्रति व्यक्ति आय और क्रयशक्ति की स्थिति क्या है। मगर हमारे यहां घरेलू बचत लगातार गिरावट की ओर है। मौजूदा वित्तवर्ष में यह पिछले पांच दशक में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले वित्तवर्ष में परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत में करीब पचपन फीसद की गिरावट आई और यह सकल घरेलू उत्पाद के 5.1 फीसद पर पहुंच गई। गौरतलब है कि वित्तवर्ष 2020-21 में यह जीडीपी के 11.5 फीसद पर थी, जबकि महामारी से पहले 2019-20 में यह आंकड़ा 7.6 फीसद था। वित्त मंत्रालय ने घरेलू बचत में गिरावट पर सफाई देते हुए कहा है कि लोग अब आवास और वाहन जैसी भौतिक संपत्तियों में अधिक निवेश कर रहे हैं। इसका असर घरेलू बचत पर पड़ा है। मंत्रालय ने भरोसा दिलाया है कि संकट जैसी कोई बात नहीं है। सरकार ने यह भी कहा है कि पिछले दो साल में परिवारों को दिए गए खुदरा ऋण का 55 फीसद आवास, शिक्षा और वाहन पर खर्च किया गया है। परिवारों के स्तर पर वित्तवर्ष 2020-21 में 22.8 लाख करोड़ की शुद्ध वित्तीय परिसंपत्ति जोड़ी गई थी। 2021-22 में लगभग सत्रह लाख करोड़ और वित्तवर्ष 2022-23 में 13.8 लाख करोड़ रुपए की वित्तीय संपत्तियां बढ़ी हैं। इसका मतलब है कि लोगों ने एक साल पहले और उससे पहले के साल की तुलना में इस साल कम वित्तीय संपत्तियां जोड़ी हैं। सरकार के अनुसार ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि वे अब कर्ज लेकर घर और वाहन जैसी भौतिक संपत्तियां खरीद रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक पिछले दो साल में आवास और वाहन ऋण में दोहरे अंक में वृद्धि हुई है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि महामारी के बाद से लोग काफी सचेत हुए हैं। वे जोखिम वाले निवेश से बच रहे हैं। दूसरी बात, बचत खातों पर ब्याज दर बहुत आकर्षक नहीं है। ऐसे में लोग प्रतिभूतियों आदि में ज्यादा निवेश कर रहे हैं। यह भी घरेलू बचत कम होने का एक कारण है। एसबीआइ के मुख्य आर्थिक सलाहकार का भी कहना है कि शायद ब्याज दरें कम होने का विपरीत प्रभाव घरेलू बचत पर पड़ा है। आम लोगों का रुझान भौतिक संपत्तियों की तरफ बढ़ा है। सरकार चाहे जो तर्क दे, पर घरेलू बचत का लगातार गिरना कोई अच्छा संकेत नहीं कहा जा सकता। घरेलू बचत सामान्य सरकारी वित्त और गैर-वित्तीय कंपनियों के लिए कोष जुटाने का सबसे महत्त्वपूर्ण जरिया होती है। देश की कुल बचत में महत्त्वपूर्ण हिस्सेदारी रखने वाली घरेलू बचत का लगातार गिरना निम्न और मध्यवर्ग ही नहीं, पूरी अर्थव्यवस्था के लिए चिंता की बात है। सरकार को मंदी के जोखिम से बचने के लिए राष्ट्रीय बचत दर को बेहतर रखना ही होगा। इसके पक्ष में अर्थशास्त्री स्पष्ट कहते हैं कि वर्ष 2008 की वैश्विक मंदी का असर भारत पर इसलिए भी कम पड़ा था कि भारतीयों की घरेलू बचत मजबूत स्थिति में थी। देश में घरेलू बचत घटने से ऐसे लोगों का आर्थिक प्रबंधन भी चरमरा रहा है। जो शादी-ब्याह, सामाजिक रीति-रिवाज, बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और त्योहारों आदि पर खर्च के लिए अपनी छोटी बचतों पर ही निर्भर होते हैं। सरकार को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा जरूरतों के परिप्रेक्ष्य में बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में वृद्धि करनी चाहिए। इसमें कोई दो-राय नहीं कि बचत प्रोत्साहन से देश की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।

आना तय परिणाम!

कस रही लगाम लगता ।
आना तय परिणाम ।।
बुरी उनकी कोशिशें ।
हो रहीं नाकाम ।।
इस बड़बोलेपन ने ।
है घटाया मान ।।
दुनिया ने भी खोल लिया ।
आखिर आंख कान ।।
हुआ अलाप बेअसर ।
गए लगता हार ।।
हुई उनसे गलती ।
है करना स्वीकार ।।
पड़ गए अकेले ।
कदम गलत उठाया ।।
रहा यही यदि हाल ।
हो सकता सफाया ।।

-कृष्णेन्द्र राय

वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की भागीदारी तेजी से बढ़ती जा रही है

प्रह्लाद सबनानी

भारत, पूरे विश्व में, पहला देश है जिसने चन्द्रयान-3 को चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर सलतापूर्वक उतार लिया है। अन्यथा, विश्व का कोई भी देश, अमेरिका, रूस एवं चीन सहित, अभी तक चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर अपना यान उतारने में सफल नहीं हो सका है। निश्चित ही भारत की यह सफलता न केवल भारत के लिए बल्कि विश्व के समस्त देशों के लिए गर्व का विश्व होना चाहिए। यदि चन्द्रयान-3 अपने उद्देश्यों में सफल हो जाता है जैसे चन्द्रमा पर पानी उपलब्ध है अथवा नहीं, चन्द्रमा पर किस प्रकार के खनिज पदार्थ (सोना, प्लेटिनम, टाइटेनियम, यूरेनियम, आदि) रासायनिक पदार्थ, प्राकृतिक तत्व, मिट्टी एवं अन्य तत्व पाए जाते हैं, आदि का पता लगने पर इस जानकारी का लाभ भारत के साथ ही पूरे विश्व को भी होने जा रहा है। परंतु, पश्चिमी देशों में कुछ तत्व भारत की इस महान उपलब्धि को सकारात्मक दृष्टि से न देखते हुए इस संदर्भ में अपनी नकारात्मक सोच को आगे बढ़ाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

दरअसल, वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था आज बहुत बड़ी अर्थव्यवस्था का रूप ले चुकी है एवं इस अर्थव्यवस्था पर अभी तक केवल कुछ विकसित देशों, अमेरिका, रूस, चीन, कनाडा, ब्रिटेन आदि का वर्चस्व रहा है। परंतु, अब चूंकि भारत इस क्षेत्र में अपनी गहरी पैठ बनाता हुआ दिखाई दे रहा है अतः विकसित देश भारत की इस महान उपलब्धि को पचा नहीं पा रहे हैं। अंतरिक्ष के क्षेत्र में हाल ही के समय में भारत का एक तरह से वर्चस्व स्थापित होता दिखाई दे रहा है। आज पूरी दुनिया ही अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत का लोहा मानने लगी है। भारत ने इस क्षेत्र में अमेरिका, रूस एवं चीन जैसे देशों के एकाधिकार को तोड़ा है। भारत आज समूचे विश्व में सैटेलाइट के माध्यम से टेलीविजन प्रसारण, मौसम के सम्बंध में भविष्यवाणी और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है और चूंकि ये सभी सुविधाएं उपग्रहों के माध्यम से ही संचालित होती हैं, अतः संचार उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित करने की मांग आज समस्त देशों के बीच बढ़ रही है। चूंकि भारतीय तकनीक तुलनात्मक रूप से बहुत सस्ती है अतः कई देश अब इस सम्बंध में भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इन परिस्थितियों के बीच चंद्रयान-3 की कम लागत में सफल लैंडिंग के बाद वैश्विक स्तर पर व्यवसायिक तौर पर भारत के लिए संभावनाएं पहले से अधिक बढ़ गयी है। आज भारतीय इसरो की, कम लागत और सफलता की गारंटी, सबसे बड़ी ताकत बन गयी है। अंतरिक्ष बाजार में भारत की धमक का यह स्पष्ट संकेत दिखाई दे रहा है और इस क्षेत्र में भारत एक धूमकेतु की तरह बनकर उभरा है। भारतीय इसरो अपने 100 से अधिक अंतरिक्ष अभियान (चन्द्रमा मिशन, मंगल मिशन, स्वदेशी अंतरिक्ष शटल, एवं चन्द्रयान-3 सहित) सफलतापूर्वक सम्पन्न कर चुका है। इसलिए कई विकसित देश भारत की इस असाधारण सफलता को पचा नहीं पा रहे हैं। पूर्व में भी कुछ विकसित देश भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान कार्यक्रम को सफल होने से रोकने हेतु कुछ बाधाएं खड़ी करने के प्रयास कर चुके हैं। कई बार तो कुछ भारतीय वैज्ञानिकों को ही निशाना बनाने के प्रयास भी किए गए हैं।

भारत में अंतरिक्ष अनुसंधान कार्य 60 के दशक में प्रारम्भ हुआ था एवं वर्ष 1969 में देश में इस कार्य को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से इसरो (भारतीय अंतरिक्ष एवं अनुसंधान संस्थान) की स्थापना की गई थी। इसरो ने पिछले 54 वर्षों के अपने कार्यकाल में अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर कुछ देश तथा निजी कम्पनियां अंतरिक्ष अनुसंधान का वाणिज्यिक उपयोग करने हेतु प्रयासरत हैं। वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का आकार 45,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का था जो आगे आने वाले समय में 1 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा। वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अमेरिका की भागीदारी 56.4 प्रतिशत, यूनाइटेड किंगडम की 6.5 प्रतिशत, कनाडा की 5.3 प्रतिशत, चीन की 4.7 प्रतिशत एवं जर्मनी की 4.1 प्रतिशत है। अब भारत भी अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अपनी भागीदारी, जो वर्तमान में 2 प्रतिशत से कुछ अधिक (960 करोड़ अमेरिकी डॉलर) है, को तेजी से आगे बढ़ाना चाहता है। एक अनुसंधान रिपोर्ट (आर्थर डी लिटिल) में यह दावा किया गया है कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का आकार वर्ष 2040 तक 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा। भारत ने इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु 6 मार्च 2019 को न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) को 100 करोड़ रुपए की अधिकृत शेयर पूंजी के साथ बैंगलोर में इसरो की वाणिज्यिक शाखा के रूप में स्थापित किया है। इसरो की स्थापना के बाद से ही भारत के लिये इसरो ने कई कार्यक्रमों एवं अनुसंधानों को सफल बनाया है। देश में दूरसंचार, प्रसारण और ब्रॉड्बैंड अवसंरचना के क्षेत्र में विकास के लिए इसरो ने उपग्रह संचार के माध्यम से कार्यक्रमों को चलाया है। इन उपग्रहों के माध्यम से भारत में दूरसंचार, टेलीमेडिसिन, टेलीविजन, ब्रॉडबैंड, रेडियो, आपदा प्रबंधन, खोज और बचाव अभियान जैसी सेवाएं प्रदान कर पाना एवं मौसम पूवार्नुमान, संसाधनों की मैपिंग आदि करना संभव हुआ है। वर्ष 2020 में ही केंद्र सरकार ने उपग्रहों की स्थापना और संचालन के क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआइ की अनुमति निजी क्षेत्र को दी थी, जिसके परिणामस्वरूप विगत तीन वर्षों में देश में लगभग 150 नए स्टार्टअप्स प्रारम्भ हुए हैं। अप्रैल 2023 में, भारत सरकार ने भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 की घोषणा की। यह नीति भारत के अंतरिक्ष विभाग की भूमिका को बढ़ाएगी और अनुसंधान, शिक्षा, स्टार्ट-अप और उद्योग को बढ़ावा देगी। भारत की अंतरिक्ष नीति अंतरिक्ष गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में निजी भागीदारी की परिकल्पना करती है और उसे प्रोत्साहित करती है। यह नीति भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र को खोलती है, जिससे निजी क्षेत्र को भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाने का मौका मिलता है। इसका उद्देश्य भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में शामिल विभिन्न संस्थानों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से रेखांकित करना भी है।

कुछ दशक पहले वैश्विक अंतरिक्ष क्षेत्र में कुछ ही देशों का वर्चस्व था। भारतीय विज्ञानियों की मेहनत एवं दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि इस मोर्चे पर भारत अब विकसित देशों के साथ खड़ा है। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर भारत की साख बढ़ाने का प्रमुख कारण यह है कि पिछले एक दशक में इस क्षेत्र में विकास के अनेक नए आयाम स्थापित किए गए हैं। आज वैश्विक स्तर पर इसरो छठी सबसे बड़ी अंतरिक्ष एजेंसी के रूप में स्थापित हो चुका है। वर्ष 2014 में भारत विश्व में पहिली बार में ही सफलतापूर्वक मंगल गृह पर पहुंचने वाला देश बन चुका है। हाल ही में इसरो ने रीयूजेबल लांच व्हिकल (आरएलवी) के प्रक्षेपण में बड़ी सफलता हासिल की है। यह उपग्रह को अंतरिक्ष में स्थापित कर वापस लौट आएगा, जिससे न केवल इसकी लागत में कमी आएगी, बल्कि मानव को अंतरिक्ष में घुमाने में भी इसका प्रयोग किया जा सकेगा। वर्ष 2024 तक अंतरिक्ष में मानव एवं रोबोट को भेजने की योजना है।

प्रधानमंत्री मोदी यशोभूमि से 2024 के लिए बड़ा राजनीतिक संदेश देने में सफल रहे

मृत्युंजय दीक्षित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर राजधानी दिल्ली में एशिया के सबसे बड़े प्रदर्शनी व कांफ्रेंस सेंटर यशोभूमि राष्ट्र को समर्पित करते हुए इसी नवीन प्रांगण से 18 प्रकार के पारंपरिक कारीगरों व शिल्पकारों की लाभ पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का शुभारंभ किया। इस योजना के माध्यम से सुथर, बढ़ई, नाव निमार्ता, अस्त्रकार, लोहे का काम करने वाले, टोकरी, चटाई, झाड़ू बनाने वाले, कॉयर बुनकर, गुड़िया और खिलौना निमार्ता, पारंपरिक सुनार, कुम्हार, जूते बनाने वाले, हथौड़ा और टुलकिट निमार्ता, ताला बनाने वाले, मूर्तिकार, पत्थर तराशने वाले, पत्थर तोड़ने वाले राजमिस्त्री, बाल काटने वाले, मालाकर, कपड़े धोने वाले, दर्जी, मछली पकड़ने का जाल बनाने वाले आदि कार्य कार्य करने वाले हुनरमंद भाई बहनों को 3 लाख तक बिना गारंटी ऋण देने की घोषणा की है। विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत स्किल अपग्रेडेशन के लिए ट्रेनिंग और 500 रुपये का स्टाइपेंड भी दिया जाएगा और यह हुनरमंद अपने हाथों से जो उत्पाद तैयार करेंगे उन तैयार उत्पादों के लिए क्वालिटी सर्टिफिकेशन, ब्रांडिंग और उनकी मार्केटिंग में भी सरकार की ओर से सहायता उपलब्ध करायी जाएगी। प्रारम्भिक चरण में विश्वकर्मा योजना में 13000 करोड़ रुपये जारी किये हैं। यह योजना तीन लाख कामगारों के लिए विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर एक अनुपम उपहार है। यह माना जा रहा है कि इस योजना से 30 लाख परिवारों की वित्तीय स्थिति में बड़ा परिवर्तन आएगा। इस योजना से छोटे व्यवसायों और श्रमिकों को अपना व्यापार बढ़ाने और आर्थिक स्थिति सुधारने में भी मदद मिलेगी। समाज के लाखों पारंपरिक कौशल वाले भाई-बहनों के लिए विश्वकर्मा योजना आशा की नई किरण बनकर आई है। इस योजना के माध्यम से भारत के स्थानीय सामान को वैश्विक बनाने में भी बहुत सहयोग मिलेगा। सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र ने उपस्थित विश्वकमाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब बैंक आपको गारंटी नहीं मानता है तो मोदी आपको गारंटी देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई विश्वकर्मा योजना के माध्यम से अनुसूचित जाति, अनुसचित जनजाति व समाज के वंचित वर्ग के लोगों का मन जीतने की भी एक बड़ी पहल की है। यह पारंपरिक कार्य करने वाले अधिकतर कारीगर व शिल्पकार समाज के लोग इन्हीं वर्गों से आते हैं। भारतीय जनता पार्टी समाज के इन वर्गो को सशक्त करने के लिए संकल्पवान है क्योंकि जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का युग प्रारम्भ हुआ है और उसके पूर्व से भी समाज का यह वर्ग भाजपा के साथ जुड़ा हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यशोभूमि के लोकार्पण और विश्वकर्मा योजना के शुभारम्भ के उपलक्ष्य पर गहरे राजनैतिक निहितार्थ वाला वक्तव्य दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह विशिष्ट कार्यशैली रही है कि अब तक उन्होंने जितने भी लोकार्पण कार्यक्रम किये हैं उन सभी अवसरों पर सर्वप्रथम वह श्रमिकों का सम्मान करते हैं व उनका मनोबल बढ़ाते हैं। यशोभूमि में भी उन्होंने सर्वप्रथम वहां काम करने वाले सभी प्रकार के विश्वकर्मा भाई बहनों से बातचीत की और उनका मनोबल बढ़ाया। प्रधानमंत्री ने अपने कार्यकाल में भारत मंडप और यशोभूमि जैसे सेंटर दिये हैं जो विकसित भारत का स्वप्न तो पूरा करेंगे ही साथ ही आगामी समय में लाखों युवाओं के लिए रोजगार के वाहक बनेंगे। दोनों ही केन्द्रों पर विश्व भर के लोग अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों, बैठकों और प्रदर्शनियों के लिए आएंगे इससे लाखों युवाओं को रोजगार और पारंपरिक कारीगरों व शिल्पकारों को भी काम मिलेगा। आगामी दिनों में भारत मंडप और यशोभूमि कांफ्रेंस पर्यटन के केंद्र बिंदु बनकर भी उभरने वाले हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में आगामी पर्वों को देखते हुए देशवासियों से लोकल उत्पाद खरीदने का एक बार फिर आग्रह करते हुए कहा कि जिसमें हमारे विश्वकर्मा साथियों की छाप और भारत की मिट्टी की महक हो वही उत्पाद उपयोग करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन के माध्यम से सनातन संस्कृति का भी सन्देश दिया है क्योंकि हिंदू धर्म के आगामी दिनों में जितने भी पर्व व तिथियां आने वाली हैं उसमें जितनी भी छोटी से छोटी सामग्री व उत्पाद प्रयोग में लाए जाते हैं वह सभी वंचित समाज के इन्हीं पारंपरिक कारीगरों व शिल्पकारों की मदद से ही बनाये जाते हैं। एक कालखंड बीच में ऐसा भी आ गया था कि हमारे पारंपरिक कारीगर व शिल्पकार जो उत्पाद बनाते व बेचते थे उस पर चीनी उत्पादों का दबदबा होता जा रहा था और हमारे कारीगर अपनी कला छोड़ने को मजबूर हो रहे थे। नई विश्वकर्मा योजना से ऐसे ही कारीगरों की कला को नया जीवन मिलेगा। यह योजना पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए आचार संहिता लागू करने से पूर्व ही प्रारम्भ कर दी गई है और माना जा रहा है कि इन सभी राज्यों में इस योजना का प्रचार अवश्य किया जाएगा क्योंकि इस योजना के लाभार्थी चुनावी राजनीति को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं।

सनातन किसी मजहब का पर्याय नहीं है, इसकी तुलना बीमारी से करना बौखलाहट है

ललित गर्ग

लोकसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, विभिन्न राजनीतिक दलों एवं उनके नेताओं की बौखलाहट बढ़ती जा रही है। इसी बौखलाहट का नतीजा है सनातन धर्म की बीमारी से तुलना करना। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने विवादास्पद बयान में सनातन धर्म की तुलना डेंगी, मच्छर, मलेरिया, और कोविड से करते हुए असंख्य सनातनधर्मियों की आस्था पर कुठाराघात किया है। उनकी ही पार्टी डीएमके के सांसद ए राजा ने तो हदें ही लांघ दी है, वे कहते हैं कि हिंदू धर्म ह्यन सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए अभिशाप है।ह्ल इन डीएमके नेताओं के बयानों से जब विवाद संभला नहीं तो उन्होंने सफाई दी, लेकिन अपनी बात पर अड़े रह कर उदयनिधि ने कहा कि उन्होंने सनातन धर्म की बुराइयों को खत्म करने की बात कही है, न कि इसे मानने वालों को। जब कोई विवाद खड़ा किया जाता है, तो उसका व्यापक असर होता है, जनभावनाएं आहत एवं लहूलुहान होती है। फिर ऐसी स्थितियों में डॉ. भीमराव आंबेडकर जैसे महापुरुषों को आधार बनाकर अपनी कहीं बातों से किनारा पाने की कुचेष्ठा भी होती है, ये स्थितियां भारतीय राजनीति की विडम्बना एवं विसंगति है।

राजनीतिक स्वार्थों एवं संकीर्णताओं के चलते भारत की हजारों साल पुरानी संस्कृति एवं परम्परा को धुंधलाने एवं झुठलाने के ये षड़यंत्र राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता की बड़ी बाधा है। असल में लोकतांत्रिक समाज में राजनीतिक दलों को हमेशा ऐसे संवेदनशील एवं भावनात्मक मुद्दों की तलाश रहती है, जिससे बड़े पैमाने पर वोटरों को प्रभावित किया जा सके। धार्मिक मुद्दे इस पैमाने पर बिल्कुल ठीक बैठते हैं। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि धार्मिक मुद्दों का हमेशा राजनीतिक फायदा हो ही, कभी-कभी लाभ की जगह नुकसान भी झेलना पड़ जाता है। ताजा सनातन मामला अब न्यायालय में विचाराधीन है, सनातन धर्म को लेकर जारी विवाद के बीच मद्रास हाईकोर्ट ने एक अहम टिप्पणी में कहा है कि सनातन धर्म शाश्वत कर्त्तव्यों का समूह है जिसमें देश के प्रति कर्त्तव्य, राजा का कर्त्तव्य, राजा के जनता के प्रति कर्त्तव्य, माता-पिता और गुरुओं के प्रति कर्त्तव्य और गरीबों की देखभाल और कई अन्य कर्त्तव्य हैं। कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश

देते हुए कहा कि जब धर्म को लेकर कोई टिप्पणी की जाती है तो उसमें ध्यान रखना चाहिए कि उससे किसी की भावनाएं आहत नहीं होनी चाहिए। हाईकोर्ट ने यह भी कहा है कि संविधान में बोलने की आजादी मिली हुई है लेकिन बोलने की आजादी नफरत में नहीं बदलनी चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता घृणित भाषण नहीं हो सकती। यदि इसे नजरंदाज किया जाता है तो किसी भी बहस की दिशा पटरी से उतर जाएगी और इसके पीछे का उद्देश्य अपना महत्व खो देगा। अभियव्यक्ति की स्वतंत्रता निष्पक्ष और स्वस्थ सार्वजनिक बहसों को प्रोत्साहित करती है तो इससे समाज को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। जो कुछ भी चल रहा है उस पर चिंता व्यक्त करते हुए न्यायालय इस पर अपने विचार व्यक्त करने से खुद को रोक नहीं सकता। सनातन धर्म पर विवाद निरर्थक है। हम को सब समाज में व्याप्त बुराइयों को खत्म करने के लिए संकल्प लेकर चलना होगा ताकि उन बुराइयों का उन्मूलन किया जा सके और सामाजिक न्याय का सपना साकार हो सके। वोट बैंक के लिए आक्रामक भाषा का इस्तेमाल देश के लिए अच्छा नहीं होता।

न्यायमूर्ति शेषशायी ने 15 सितंबर को पारित एक आदेश में लिखा यह न्यायालय सनातन धर्म के समर्थक और विरोधी पर बहुत मुखर और समय-समय पर होने वाली शोर-शराबे वाली बहसों के प्रति सचेत है। इसने मोटे तौर पर सनातन धर्म को ह्यशाश्वत कर्तव्योंह्ल के एक समूह के रूप में समझा है, और इसे किसी एक विशिष्ट साहित्य से नहीं जोड़ा जा सकता है, लेकिन इसे कई स्त्रोतों से इकट्ठा किया जाना चाहिए, जो या तो हिंदू धर्म से संबंधित हैं, या जिन्हें हिंदू जीवन शैली का पालन करने वाले लोग स्वीकार करते हैं। वास्तव में देखा जाये तो सनातन एक शाश्वत धर्म है, जीवन का सत्य है। विज्ञान भी सनातन सत्य को पकड़ने में अभी तक कामयाब नहीं हुआ है, किन्तु वेदांत में उल्लेखित जिस सनातन सत्य की महिमा का वर्णन किया गया है, विज्ञान भी धीरे-धीरे उससे सहमत होता नजर आता है। सनातन धर्म के सत्य को जन्म देने वाले अलग-अलग काल में अनेक ऋषि हुए हैं। जिन्होंने सत्य को जैसा देखा, वैसा कहा। सभी ऋषियों की बातों में एकरूपता है। जो इन ऋषियों की बातों को एवं सत्य को समझ नहीं पाते, वही उनमें भेद करते हैं, विवाद करते हैं। असल में भेद एवं विवाद भाषाओं में होता है, अनुवादकों में होता है, संस्कृतियों में होता है, परम्पराओं में होता है, सिद्धान्तों में होता है, राजनीतिक सोच एवं संकीर्णताओं में होता है, लेकिन सत्य में नहीं। सनातन एक सत्य है, उसमें भेद एवं विवाद करने वाले बुद्धि के दिवालियपन के शिकार है। इस तरह के आधारहीन विवादों को उछालने वाले राजनीतिक दल एवं नेता उजालों पर कालिख पोतने का ही प्रयास करते हैं। इस प्रकार की उद्देश्यहीन, उच्छृंखल, विध्वंसात्मक सोच से किसी का हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होता। ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसे समाज एवं राष्ट्र को तोड़ने वाली कुचेष्टाएं करने वालों की आंखों में किरणें आंज दी जाएं तो भी वे यथार्थ को नहीं देख पाते। क्योंकि उन्हें उजाले के नाम से एलर्जी है। तरस आता है समाज में बिखराव करने वाले ऐसे लोगों की बुद्धि पर, जो सूरज के उजाले पर कालिख पोतने का असफल प्रयास करते हैं, आकाश में पैबन्द लगाना चाहते हैं और सछिद्र नाव पर सवार होकर सागर की यात्रा करना चाहते हैं। जब भी ऐसे विवाद खड़े किये जाते हैं, विरोधी आरोपों एवं विरोध से सबसे पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को घेरने की कोशिश करते हैं। जबकि संघ की शालीनता एवं विशेषता है कि वह अक्सर आरोपों एवं विरोध पर प्रतिक्रिया नहीं देता। उसका चरित्र इन सबसे अप्रभावित रहते हुए शांतिपूर्वक समाज-निर्माण एवं राष्ट्र-निर्माण के काम करने का है।

टीबी मुक्त ग्राम पंचायत बनाने की शुरू हुई तैयारी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। ग्राम पंचायतों को स्वस्थ, समृद्ध व खुशहाल बनाने के लिए जरूरी है कि पहले उन्हें टीबी जैसी गंभीर बीमारियों से मुक्त बनाया जाए। बिना ग्राम पंचायतों को 'टीबी मुक्त' बनाए प्रदेश को इससे मुक्ति नहीं दिलायी जा सकती है। इसी को लेकर शुक्रवार को राइफल क्लब सभागार में टीबी मुक्त पंचायत अभियान हेतु अन्तर्विभागीय समन्वय बैठक जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिला कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मिथिलेश सिंह ने बताया की 'टीबी मुक्त पंचायत' बनाने की तैयारी पूर्ण कर ली है। मालूम हो कि 'विश्व क्षय रोग दिवस' (24 मार्च) पर इसी साल वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी घोषणा की थी, जिसे अब शीघ्र धरातल पर उतारने की तैयारी है। इसकी पहल जिला क्षय रोग अधिकारी और जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) के संयुक्त प्रयास से की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिला से लेकर ब्लॉक स्तर तक के अभियान से जुड़े कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा, जो कि अपने-अपने क्षेत्र के ग्राम प्रधानों को प्रशिक्षित करेंगे। इसके साथ ही जिला टीबी केंद्र के सहयोग से पंचायतों को टीबी मुक्त पंचायत की स्थिति के लिए तैयार किया जाएगा। टीबी मुक्त करने के प्रयासों की गतिविधियों को पंचायत विकास योजनाओं (पीडीपी) में भी शामिल किया जाएगा। इस बैठक में सभी विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. देश दीपक पाल, जिला पंचायत अधिकारी अंशुल कुमार मौर्य, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हेमन्त राव, जिला कार्यक्रम अधिकारी दिलीप कुमार पाण्डेय, जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ. मनोज कुमार सिंह, जिलापूर्ति अधिकारी कुमार निर्मलेन्दु, जिला युवा कल्याण अधिकारी सुरेन्द्र सोनकर, जिला समाज कल्याण अधिकारी नगीना यादव, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सचिदानंद तिवारी, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. सुजीत मिश्रा, जिला मलेरिया अधिकारी मनोज कुमार सिंह तथा सभी सी एच सी के अधीक्षक उपस्थित थे।

सूत्रलेख परीक्षा में सत्यम मौर्य रहे प्रथम

कमालपुर। चंदौली। स्टेट मीडिया। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर समय वध सूचीबद्ध सूत्रलेख परीक्षा करने का परिषदीय विद्यालयों में निर्देश है । जिसके क्रम में धानापुर ब्लाक की सूतलेख परीक्षा बीआरसी धानापुर पूर्व माध्यमिक विद्यालय धानापुरा पर कराई गई परीक्षा में प्रतिभा कक्षा 3 कक्षा 5 व कक्षा 8 के बच्चे बच्चियों को प्रतिभाग करना था वही धानापुर ब्लाक के लगभग सभी परिषदीय विद्यालयों से 300 से ऊपर बच्चे बच्चियों ने प्रतिभाग किया। परीक्षा पूरी मुस्तैदी के साथ संपन्न कराई गई व तुरंत कॉपियों का अवलोकन किया गया। अवलोकन के उपरांत प्राथमिक विद्यालय इनायतपुर के सत्यम मौर्या पुत्र कमलेश मौर्या पूरे ब्लॉक में कक्षा 5 के प्रथम स्थान प्राप्त किया । वहीं टीचर द्वारा सत्यम मौर्य को मेडल देकर सम्मानित किये । और उनके शिक्षकों ने 27 तारीख को जिला टॉप करने की प्रेरणा दी। वहीं सत्यम मौर्या के पिता कमलेश मौर्य व माता सत्यम के ब्लॉक टॉप करने पर पूरे परिवार के लोगों में तथा गांव के अभिभावकों में खुशी की लहर है । क्षेत्र के लोगों में चचार्ये चल रही है कि आज परिषदीय विद्यालय इनायतपुर एक ऐसा विद्यालय बन चुका है कि कान्वेंट के बच्चे इस विद्यालय में नामांकन करने लगे हैं।

एफ0एस0डब्ल्यू वैन के माध्यम से विभिन्न खाद्य पदार्थों के 42 नमूनें की हुई जॉच

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सहायक आयुक्त (खाद्य) वाराणसी मण्डल, वाराणसी द्वारा प्रदत्त एफ0एस0डब्ल्यू वैन के माध्यम से तहसील मुहम्मदाबाद गाजीपुर में

विभिन्न खाद्य पदार्थों के 42 नमूनें जॉच किये गये। कठवा मोड़ गाजीपुर से एफ0एस0डब्ल्यू वैन के माध्यम से 42 नमूनें जॉच किये गये, जिनमें से मिल्क के 4 नमूनें (फैट की मात्रा कम पायी गयी) अधोमानक पाये गये, गुलाब जामुन के 1 एवं छेना की मिठाई के 1 नमूनें बाह्य पदार्थयुक्त पाये गये और काली मिर्च के 1 नमूना तथा सौंफ के 1 नमूना में सिन्थेटिक कलर पाया गया। मौके पर ही खाद्य कारोबारकताओं को जॉच रिपोर्ट से अवगत कराया गया एवं उन्हें भविष्य में खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता में सुधार हेतु निर्देशित किया गया तथा मौके पर उपस्थित आम जनमानस के व्यक्तियों को खाद्य पदार्थों में मिलावट के सम्बन्ध में जागरूक किया गया। एफ0एस0डब्ल्यू वैन का संचालन मो0 हनीफ लैब टेक्नीशियन एवं राजीव कुमार सिंह खाद्य सुरक्षा अधिकारी गाजीपुर द्वारा टीम का सहयोग किया गया।

दुर्गा पूजा तैयारी को लेकर हुई चर्चा

चहनियां। चंदौली। बलुआ स्थित दुर्गा पूजा समिति की बैठक दुर्गा पूजा स्थल पर गुरुवार की रात में संरक्षक प्रेम शंकर गुप्ता की अध्यक्षता में हुई । जिसमें दुर्गा पूजा पर तैयारी को लेकर चर्चा की गई । बलुआ में दुर्गा पूजा समिति द्वारा विगत 43 वर्ष से खुद के हांथो से पंडाल तैयार कर दुर्गा पूजा समारोह मनाया जाता है । इस वर्ष 44 वां वर्ष है । इस वर्ष भी महोसत्व धूमधाम से मनाने को लेकर बैठक में चर्चा की गयी। समिति के अध्यक्ष घनश्याम चौरसिया ने बैठक में कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य पंडाल का निर्माण होगा। जो समिति के कार्यकताओं द्वारा पंडाल का निर्माण होगा। इस बार पंडाल कोर्णाक मन्दिर की तर्ज निर्माण होगा। परिसर में साफ सफाई, बिजली, अग्निशमन यंत्र,बालू,पानी आदि की व्यवस्था रहेगी। मां की प्रतिमा 21 अक्टूबर को होगा।

हृदय रोगियों के लिए वरदान है कैथलैब: डॉ. संजय सिंह

प्रखर, मऊ। हृदय रोग के मरीजों के लिए कैथलैब वरदान सदृश है। एंजियोप्लास्टी, एंजियोग्राफी, पेसमेकर सहित सभी प्रकार की सर्जरी उच्च गुणवत्ता के साथ की जा रही है। शारदा नारायण हास्पिटल स्थित कैथलैब में पूर्वांचल की सबसे उन्नत मशीन उपलब्ध है। यहां पर आयुष्मान योजना द्वारा भी मरीजों को सर्वोत्तम उपचार प्रदान किया जा रहा है। इसके साथ हास्पिटल में सर्वोत्तम प्रणाली पर आईवीएफ के द्वारा निःसंतानता को समाप्त करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। डॉ संजय सिंह ने यह उदगार व्यक्त किया। शुक्रवार की रात मधुबन में शारदा नारायण हास्पिटल एवं नीमा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित स्वास्थ्य जागरुकता सेमिनार में वह बोल रहे थे। क्रिटिकल केयर

स्पेशलिस्ट डॉ सुजीत सिंह ने आकस्मिक चिकित्सा प्रणाली पर विस्तार से व्याख्यान देते हुए त्वरित जीवन रक्षा के उपायों से अवगत कराया। सीपीआर के माध्यम से उन्होंने इसे बताया। आर्थोसर्जन डॉ राहुल कुमार ने घुटना प्रत्यारोण पर विस्तार से जानकारी प्रदान करने साथ ही कमर दर्द के उपचार से अवगत कराया। डॉ रेहान ने बच्चों को पोषण, सुरक्षा एवं उनके विकास के अलग-अलग चरणों पर व्याख्यान दिया। कैथलैब स्पेशलिस्ट डॉ दीपक राय ने कैथलैब की विशेषता, हृदय रोग में उसकी उपयोगिता एवं उपचार की प्रणाली पर स्लाइड के माध्यम से प्रकाशर डाला। नीमा अध्यक्ष डॉ आरएन सिंह ने स्वागत एवं सचिव डॉ कैलाश मौर्य ने आभार ज्ञापन किया।

संत व भगवंत मिले तो अंत भी सुखद हो जाता है : कथा व्यास साध्वी श्रीनिष्ठा जी

प्रखर वाराणसी। श्रीराम कथा आयोजन समिति और कोशलेस नगर कालोनी नागरिक समिति के तत्वाधान में सात दिवसीय श्रीराम कथा के तीसरे दिन परीक्षित धीरज सिंह सपत्नी श्रीमती प्रति सिंह और श्री राम कथा आयोजन समिति के संयोजक वरुण सिंह और अशोक पटेल ने व्यास पीठ का पूजन कर कथा प्रारंभ कराया । ग्वालियर से पधारी कथा व्यास साध्वी श्रीनिष्ठा जी मंगलाचरण के बाद कथा प्रारंभ किया । कथा व्यास साध्वी श्री निष्ठा ने व्यास पीठ से कहा संत और भगवंत मिले तो अंत भी सुखद हो जाता है । संत हरि भजन से ही मिलते हैं । हमे परमात्मा का हमेशा आभार करना चाहिए ।

मुझे मेरे मालिक ने जो कुछ दिया है , तेरा शुक्रिया शुक्रिया है तेरा शुक्रिया

सिय सुंदरता बरनि न जाई।
लघु मति बहुत मनोहरताई
आवत दीखि बरातिन्ह सीता।
रूप रासि सब भाँति पुनीता

भावार्थः-सीताजी की सुंदरता का वर्णन नहीं हो सकता, क्योंकि बुद्धि बहुत छोटी है और मनोहरता बहुत बड़ी है। रूप की राशि और सब प्रकार से पवित्र सीताजी को बारातियों ने आते देखा

राम सिया विवाह प्रसंग को आगे बढ़ाते हुए भगवान राम और

सीता का विवाह हेने के बाद विवाह पंचमी की तिथि पर ही माता सीता की तीनों बहनों- उर्मिला, माधवी और शुतकीर्ति का विवाह लक्षमण,भरत और शत्रुघ्न से कराया जाता लक्ष्मण , भरत , शत्रुघन के विवाह को सुन कथा प्रेमी पुष्प वर्षा कर प्रभु के विवाह के सा साक्षी बने। कथा के मुख्य अतिथि पद्मश्री डा0 राजेश आचार्य जी थे । पद्मश्री डा0 राजेश आचार्य ने कहा आज कथा के शामिल होकर हृदय राममय हो गया । संगीत की सभी विधा भी अपने को शिव राम में समाहित कर रही है। आए हुए अतिथियों का स्वागत कोशलेस नगर कालोनी नगरीय समिति के सचिव प्रमील पाण्डेय ने माल्यार्पण कर अंग वस्त्र देकर किया। कथा में प्रमुख रूप से झ राजेश नागर , इंद्रजीत सिंह , ई0 अनिल सिंह , दीनानाथ सिंह मुन्ना , हरिशंकर मिश्रा मंचल , आनंद मिश्रा नूतन , परितोष पाण्डेय , पंकज श्रीवास्तव , धीरज सिंह , संतोष श्रीवास्तव , विपिन सिंह , अंशुमाली सिंह , राजीव पटेल राजू , अंकित , सोनू सिंह, धर्मेन्द्र , मदन लाल गुप्ता , श्री प्रकाश मिश्रा , रसनागर तिवारी , एड0 व्यास जी , कैलाश तिवारी ,गोपाल खरवार , संजीव सिंह , संजय यादव , रजनी सिंह , अनिता श्रीवास्तव , गायत्री देवी सतीश पाल , सहित मौजूद रहे।

जनपद में जागरुकता शिविर का आयोजन 29 सितंबर को

प्रखर, मऊ। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि उ० प्र० माटीकला बोर्ड द्वारा जनपद पर एक दिवसीय जागरुकता शिविर आयोजन किया जाना है। जिसमें विभाग द्वारा संचालित माटीकला से सम्बन्धित योजनाओं, उ० प्र० माटीकला टूलस किट्स योजना, मुख्य मंत्री माटीकला रोजगार योजना के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की जायेगी, जनपद के समस्त तहसीलों एवं विकास खण्डों में अपना उद्योग स्थापित करने हेतु कुम्हारी / शिल्पकारी से सम्बन्धित कामगारों को रुचि रखने वाले अभ्यर्थी दिनांक 29/09/2023 को समय 12.00 ग्रा0-जमीरा चौराडीह पोष्ट-कैनाल हेड वि० खण्ड दोहरीघाट में एक जागरुकता शिविर का आयोजन किया जाना है। प्रजापति समाज एवं कुम्हरी के कामगरों को योजनाओं के लाभ लेने एवं योजनाओं के बारे मे समझने हेतु प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें । अधिक जानकारी के लिये किसी भी कार्य दिवस में जिला ग्रामोद्योग कार्यालय अन्धा मोड भीटी मऊ तथा दुरभाष संख्या 7408410764 9450510803 पर सम्पर्क कर सकते है ।

थाना दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने सुनी फरियादियों की फरियाद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शासन के निर्देश पर आज द्वितीय, चतुर्थ शनिवार को थाना दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह की अध्यक्षता में थाना कोतवाली सम्बन्धित अधिकारी को दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि भूमि पर अवैध कब्जा करने वाले भू माफियाओ के विरूद्ध एन्टी भू माफिया एक्ट के अन्तर्गत मुकदमा पंजीकृत करते हुए कड़ी कार्यवाही

सैदपुर में उपस्थित फरियादियों की फरियाद सुनी साथ ही शिकायतो को जल्द से जल्द निस्तारण के लिए प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया। थाना दिवस पर कोतवाली सैदपुर मे राजस्व द्वारा 4 फरियादियों ने अपनी-अपनी शिकायतो को लिखित रूप में दिया, जिसमें निस्तारण हेतु सम्बन्धित करे और गरीबो के पट्टे आदि की भूमि पर बार-बार कब्जा करने वालो के खिलाफ केस दर्ज कर जेल तत्काल भेजा जाय। इस मौके पर उपजिलाधिकारी सैदपुर, क्षेत्राधिकारी सैदपुर, थाना प्रभारी, लेखपाल एंव अन्य अधिकारीगण एवं पुलिस विभाग से सम्बन्धित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कचरा मुक्त भारत'बनाए जाने हेतु दिलाई गई शपथ

चंदौली। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना के अंतर्गत'स्वच्छता ही सेवा 15 सितंबर से 2 अक्टूबर 2023 तक कचरा मुक्त भारत'बनाए जाने के लिए जनपद स्तर पर जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे के कुशल निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी एस एन श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों/कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई। तथा सभी को स्वच्छता के प्रति सजग रहते हुए 2 घंटे श्रमदान करने एवं अपने अपने कार्यालय में विशेष स्वच्छता अभियान चलाते हुए साफ-सफाई का कार्य किये जाने के निर्देश दिए गए । साथ ही जनपद की सभी ग्राम पंचायत में विशेष स्वच्छता अभियान के साथ-साथ रैली, सामूहिक श्रमदान,एवं स्वच्छता शपथ का कार्यक्रम किए जाने हेतु निर्देशित गया। इस अवसर पर समस्त उपजिलाधिकारी,समस्त खण्ड विकास अधिकारी एवं समस्त ए डी ओ पंचायत सहित सभी सम्बंधित अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

गांजा की तस्करी करने वाले तीन शातिर तस्कर चढ़े पुलिस के हत्थे

चंदौली। पुलिस अधीक्षक चन्दौली डा0 अनिल कुमार द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही एवं अवैध शराब व मादक पदार्थों के परिवहन/तस्करी पर पूर्णतया रोक लगाने एवं इसमें सम्मिलित तस्करों की गिरफ्तारी के लिए दिए गए निर्देश के क्रम व अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन सुखराम भारती तथा उपजिलाधिकारी महोदय नौगढ एवं क्षेत्राधिकारी नौगढ़ के कुशल निर्देशन में थानाध्यक्ष नौगढ़ अतुल कुमार के नेतृत्व में थाना नौगढ़ पुलिस टीम द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध की जा रही अभिसूचना संकलन की कार्यवाही के क्रम में संदिग्ध व्यक्ति/ वाहन चेंकिग व रोकथाम जुर्म जरायम व मादक पदार्थ की बरामदगी के दौरान मुखबीर की सूचना कौवाघाड़ पुल के पास ग्राम शाहपुर , मगरही के तरफ से आ रही महिन्द्रा

बोलेरो वाहन संख्या-वढ 45 8304 को रोककर चेक किया गया तो उक्त बोलेरो वाहन में छुपाकर रखे गए 24 बंडलों में कुल 48 किलो 890 ग्राम गांजा बरामद हुआ एवं तीन अभियुक्तगण को गिरफ्तार किया गया। उक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना नौगढ़ पर मु0अ0स0 117/2023 धारा 8/20/60 ठउ्ढर अू३ पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों में सुरेन्द्र कुमार पुत्र स्व0 जयश्री नि0 ग्राम ज्योतिपुर समयसा पो0 खजुरी थाना मालीपुर जनपद अम्बेडकरनगर, लालचंद्र मौर्या पुत्र रामरतन मौर्या नि0 बढ़या पोस्ट बढ़या थाना अतरौलिया जनपद आजमगढ़, मो0 अदनान पुत्र अबूबकर नि0 ग्राम मुगंराडिला मदराहा गांव थाना जलालपुर जनपद अम्बेडकरनगर है । गिरफ्तारी /बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अतुल कुमार थाना नौगढ़ जनपद चन्दौली। उ0नि0 श्री अनन्त कुमार भार्गव थाना नौगढ़ जनपद चन्दौली। हे0का0 उमेश कुमार यादव थाना नौगढ़ जनपद चन्दौली ।का0 संदीप यादव थाना नौगढ़ जनपद चन्दौली। का0 कोमल सिंह थाना नौगढ़ जनपद चन्दौली ।का0 का0 विजय कुमार गौड़ थाना नौगढ़ जनपद चन्दौली ।का0 अमित कुमार यादव थाना नौगढ़ जनपद चन्दौली। का0 शैलेष यादव थाना नौगढ़ जनपद चन्दौली शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

एग्रो पार्क स्थित फैक्ट्री से उड़ाए लाखों रुपए, घटना कैमरे में हुई कैद

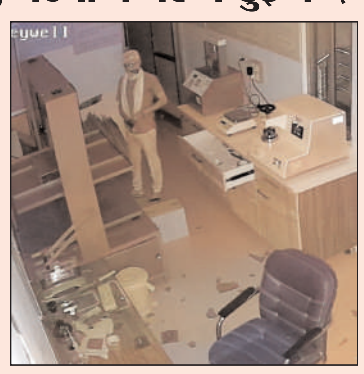

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के करखियाव स्थित एग्रो पार्क में स्थापित एक फैक्ट्री के आलमारी का ताला तोड़कर लगभग 8 लाख नगद समेत 30 चांदी के सिक्के को चोर चुरा ले गया। चोरी की घटना सीसीटीवी में रिकार्ड हो गई। पुलिस अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। बताते हैं कि बीती रात चोर रस्क (टोस)बनाने वाली फैक्ट्री तिरुपति बालाजी के कार्यालय में खिड़की के सहारे घुसे और कार्यालय में रखे आलमारी का ताला तोड़कर उसमे रखे सात लाख 80 हजार नगद व 30 चांदी के सिक्के को चुरा ले गया। यही नही 2 लाख रुपए से अधिक की सीएस मशीन को ले जाने का प्रयास किया लेकिन असफल होने पर क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना की लिखित तहरीर फैक्ट्री के मैनेजर शिवा पटेल निवासी फूलपुर ने पुलिस को दी। जिसपर पुलिस ने एक अज्ञात चोर के खिलाफ 457 व 380 के तहत मुकदमा दर्ज किया। बताते चलें कि एग्रो पार्क एरिया में चोरी की बढ़ती घटनाओं से उद्यमियो में रोष है। घटना के तत्काल पदार्फास करने की मांग की है।

जश्ने ईद ए मिलाद उन नबी को कामयाब बनाने में जुटी मरकजी सीरत कमेटी

प्रखर जौनपुर। आगामी 28 सितंबर को जौनपुर में होने वाले ऐतिहासिक जश्ने ईद मिलादुन नबी के कार्यक्रम को भव्यता देने के लिए मरकजी सीरत कमेटी ने कमर कस ली है, कमेटी की युवा टीम बुजुर्गों की सरपरस्ती में रात दिन एक कर शाही अटाला मस्जिद,शाही पुल व शाही ईदगाह को सजाने संवारने में लगी है,वही कमेटी के जेरे निगरानी में शहर की और भी छोटी-छोटी कमेटियां व अंजुमन व अखाड़े रात दिन अपनी अपनी प्रैक्टिस में जुटे हुए प्रतीत हो रहे है।कमेटी के कार्यकर्ता और पदाधकारिओ में मुख्य रूप से मुन्ना राजा सदर के आह्वान पर शाहिद मंसूरी,एकराम सौदागर, फिरोज अहमद पप्पू, सरताज अहमद सिद्दीकी,मोहम्मद शकील माज राइन, शोएब पठान, हाजी सैयद फरोग,शोएब अहमद समीर,ताजुद्दीन शोबी ,उस्मान राइन, डॉ अर्शी नवाज, नेयाज ताहिर शेखू ,शहाबुद्दीन विधार्थी, रियाजुल हक, दानिश इकबाल, शीराज अहमद, फैसल उस्मान ,नबी अहमद, एकराम मुन्ना प्लाई, रेयाजुद्दीन अल्वी ,मेराज खान, मो. अली, मो. अजीम, फैयाज सौदागर, सरताज, सलमान मलिक, अदनान, नाजिश. अख्तर, सलीमुल्लाह आदि लोग सक्रिय रूप से अपनी भूमिका निभा रहे है।

वाराणसी जंक्शन की यार्ड रिमॉडलिंग प्रोजेक्ट को समय से कराएं पूरा - शिशिर सिंह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रेल मंत्रालय के सलाहकार शिशिर सिंह ने शुक्रवार की देर शाम उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक शोभन चौधरी से बड़ौदा हाउस नई दिल्ली में भेंट की साथ ही अमृत भारत स्टेशन योजना में वाराणसी एवं जौनपुर जंक्शन के शामिल स्टेशनों के होने वाले पुनर्विकास के प्रारूप पर चर्चा की` काशी स्टेशन के पुनर्विकास प्रारूप को सुनियोजित तरीके से संपन्न करने की आवश्यकता पर चर्चा की आवागमन मार्ग पर ट्रैफिक के दबाव का सही आकलन भी पुनर्विकास प्रारूप का हिस्सा बनाने की चर्चा हुई कैंट के यार्ड रिमॉडलिंग प्रोजेक्ट की वजह से जनता को हो रही दिक्कत को देखते हुए इसे समय से पूरा करने की बात की शिशिर सिंह द्वारा हाल ही में जौनपुर जंक्शन के किए गए निरीक्षण में ये पता चला था की पीने के पानी की टंकी का क्लोरोनाइजेशन महीनों से नहीं हुआ है और रोजमरा की बुनियादी सुविधाओं जैसे की प्रकाश व्यवस्था, साफ सफाई , रख रखाव की भी कमी पाई गई थी इस पर महाप्रबंधक महोदय ने इस विषय का आवश्यक संज्ञान लेते हुए तत्काल इसे समयबद्ध तरीके से दुरुस्त करने का आश्वासन दिया साथ ही महाप्रबंधक ने सदस्य को बताया की वह जल्द ही पुनः जौनपुर के स्टेशनों का निरीक्षण कर उन्हें तात्कालिक वस्तुस्थिति से अवगत कराएं की काम कराए गए अथवा नहीं।

प्रदेश स्तरीय जूनियर बालक कुश्ती प्रतियोगिता हेतु आजमगढ़ के जिला/मण्डल की टीम का चयन

प्रखर,मऊ। जिला क्रीड़ाधिकारी मुकेश कुमार सब्बरवाल ने बताया कि खेल निदेशालय उ0प्र0 लखनऊ के तत्वावधान में यू0पी0 कुश्ती एसोसिएशन के समन्वय से प्रदेश स्तरीय जूनियर बालक कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 28 से 30 सितम्बर, 2023 तक क्षेत्रीय खेल कार्यालय, गोरखपुर में किया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु जूनियर बालक कुश्ती प्रतियोगिता हेतु जिला खेल कार्यालय मऊ द्वारा जनपदीय चयन/ट्रायल्स दिनांक 25 सितम्बर, 2023 को डा0 भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम, मऊ में 09:00 बजे से किया जायेगा। उक्त चयन/ट्रायल्स में प्रतिभाग करने वाले जूनियर बालक कुश्ती खिलाड़ियों की जन्मतिथि आयुवर्ग 2003, 2004, 2005 जबकि 2006 में जन्मे खिलाडी चिकित्सक अथवा माता-पिता के प्रमाण-पत्र के साथ भाग लेंगे। जिसमें खिलाड़ियों को पात्रता प्रमाण-पत्र, खिलाडियों को जन्मतिथि प्रमाण-पत्र (हाई सकूल सर्टिफिकेट/नगर निगम द्वारा जारी प्रमाण-पत्र) के साथ छायाप्रति सम्बन्धित विद्यालय के प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्य से प्रमाणित साथ में लाना अनिवार्य है। जिले के इच्छुक जूनियर बालक कुश्ती वर्ग के खिलाड़ी इस चयन/ट्रायल में भाग ले सकते हैं। जिला स्तर पर चयनित खिलाड़ी दिनाक 26 सितम्बर, 2023 को मण्डल स्तर पर आयोजित होने वाले मण्डलीय ट्रायल में भाग लेने हेत आजमगढ़ भेजा जायेगा। इच्छुक खिलाड़ी दिनांक 25 सितम्बर को समय से डा. भीम राव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में उपस्थित हो। विस्तृत जानकारी हेतु किसी भी कार्यालय दिवस में क्षेत्रीय खेल कार्यालय आजमगढ़ में सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं।

बाबतपुर एयरपोर्ट पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और महापौर, कमिश्नर ने प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी का किया स्वागत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वाराणसी में बाबतपुर एयरपोर्ट पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित सांसद मछली शहर बीपी सरोज, महापौर अशोक तिवारी, कमिश्नर कौशल राज शर्मा सहित आम महिलाओं ने की स्वागत एवं अगवानी।

अनाथ बच्चों के सिर पर रखा शिवराज सरकार ने आशीर्वाद योजना का हाथ

बाल आशीर्वाद योजना को मध्यप्रदेश के अनाथ बच्चों की शिक्षा के लिए सरकार का बड़ा फैसला माना जा रहा है। मध्य प्रदेश के ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता का निधन हो चुका है और वे अपने रिश्तेदार या संरक्षकों के साथ रह रहे हैं, के लिए मध्य प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना चला रही है। इस योजना में बच्चों को 4 हजार रुपये प्रतिमाह की राशि दी जा रही है। इस आर्थिक सहायता का लाभ इन बच्चों को 18 वर्ष की आयु तक दिया जाता है। 18 वर्ष आयु पूरी करने के बाद इंटर्नशिप, व्यावसायिक प्रशिक्षण और उच्च शिक्षा के दौरान उन्हें 5 हजार रुपये दिए जाते हैं।

बाल देख-रेख संस्थाओं को छोड़ने वाले 18 वर्ष से अधिक आयु के बालक एवं बालिकाओं को आर्थिक एवं शैक्षणिक सहयोग (आफ्टर केयर) देकर समाज में पुनर्स्थापित करने और 18 वर्ष की आयु तक के अनाथ बच्चों, जो अपने सम्बंधियों अथवा संरक्षकों के साथ जीवन यापन कर रहे हैं, को आर्थिक सहायता (स्पॉन्सरशिप) उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना आरंभ की गई है। योजना के क्रियान्वयन के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है।

'आफ्टर केयर' योजना में बच्चों को RTI, CLAT, JEE तथा NEET निकालने पर पढ़ाई करने तक सरकार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराती है। इस योजना के संदर्भ में बाल देखरेख संस्था में निर्मुक्ति दिनांक के वर्ष को सम्मिलित करते हुए निरंतर 5 वर्ष तक निवासरत बच्चे पात्र हैं। आफ्टर केयर में आर्थिक सहायता, इंटर्नशिप, व्यवसायिक प्रशिक्षण, शिक्षा के लिए निर्धारित समयावधि अथवा 24 वर्ष की आयु जो भी पहले हो, तक दी जाती है। उद्योग विभाग द्वारा जिला बाल संरक्षण अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त सूची में उल्लेखित केयर लीवर्स की योग्यता के अनुसार औद्योगिक संस्थान/ प्रतिष्ठान/ प्रतिष्ठित संस्थाओं की पहचान कर इंटर्नशिप देकर उसी संस्था द्वारा यथासंभव रोजगार उपलब्ध करवाया जा रहा है। इंटर्नशिप अवधि के दौरान 5 हजार रुपए प्रतिमाह की आर्थिक सहायता दी जाती है, जो इंटर्नशिप की अवधि समाप्ति तक या एक वर्ष, जो भी कम हो तक देय रहती है। यह सहायता राशि किसी भी दशा में एक वर्ष से अधिक की अवधि के लिए नहीं दी जाती है। इसी के साथ 18 साल की उम्र तक 2 हजार रुपए की आर्थिक सहायता तथा आयुष्मान योजना के माध्यम से इलाज कराने का प्रावधान किया गया है। प्रदेश में हर साल 150 से 200 अनाथ बच्चे बाल संस्थाओं से 18 वर्ष की उम्र पूरी होने पर निकलते हैं। सरकार का उद्देश्य इन्हीं बच्चों की सहायता करना है।

पॉलीटेक्निक डिप्लोमा, आईटीआई, पैरामेडिकल पाठ्यक्रम, नर्सिंग, होटल मैनेजमेंट, टूरिज्म, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री कौशल विकास आदि में दिया जाने वाला शासकीय संस्थाओं में व्यावसायिक प्रशिक्षण, संबंधित विभाग के द्वारा निःशुल्क करवाए जा रहे हैं। व्यावसायिक प्रशिक्षण अवधि के दौरान 5 हजार रुपए प्रतिमाह की आर्थिक सहायता दी जा रही है, जो व्यावसायिक प्रशिक्षण की अवधि समाप्ति तक या दो वर्ष जो भी कम हो तक के लिए देय है, किन्तु किसी भी दशा में 2 वर्ष से अधिक की अवधि के लिए नहीं होगी। NEET, JEE या CLAT में प्रवेश परीक्षाओं के आधार पर किसी शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं में प्रवेश करने वाले केयर लीवर्स को अध्ययन अवधि के दौरान 5 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रतिमाह दी जा रही है एवं पाठ्यक्रम अवधि तक फीस नियामक आयोग द्वारा निर्धारित फीस राज्य शासन द्वारा वहन की जाती है। केयर लीवर्स की श्रेणी का निर्धारण एवं प्रत्येक श्रेणी में अध्ययन अवधि के दौरान दी जा रही आर्थिक सहायता का निर्धारण मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित राज्य स्तरीय समिति द्वारा किया जाता है।

अब प्रदेश में नहीं होगा बाल शोषण

अगर राज्य में किसी भी बच्चे के साथ कोई शोषण या फिर अत्याचार हो रहा है तो इसके लिए मध्य प्रदेश सरकार ने चाइल्ड लाइन नंबर 1098 जारी कर इसपर सूचना देने की वयवस्था की है। सूचना मिलते ही चाइल्ड लाइन की टीम तुरंत एक्टिव हो जाती है और बच्चे को त्वरित मदद दी जाती है। इसके लिए चाइल्ड हेल्प लाइन संस्था जिम्मेदार रहती है।

ऐसे बच्चों की संस्था करेगी मदद

- यदि कोई बच्चा अकेला और बीमार हो, उसके पास इलाज के लिए पैसे न हो।
- किसी बच्चे का घर, स्कूल या काम पर शोषण हो रहा हो।
- कोई खोया हुआ बच्चा आपको मिले।
- किसी बच्चे को भावनात्मक मार्गदर्शन और सहारे की जरूरत हो।
- कोई बिछड़ा हुआ बच्चा अपने घर जाना चाहता हो।
- यदि किसी बच्चे के साथ दुर्घटना हो जाए और उसकी कोई मदद न कर रहा हो।
- बंधुआ और बाल मजदूरी में धकेले गए बच्चों की भी संस्था मदद करती है।

लाभ तथा विशेषताएँ

- बाल आश्रम में रह रहे बच्चों को बाल आश्रम छोड़ने के बाद इंटर्नशिप करने के लिए नगद राशि देने का प्रावधान है।
- इसी के साथ किशोर न्याय अधिनियम के अंतर्गत बाल देख रेख संस्थाओं के अंतर्गत संचालित करने के बाद छोड़े जाने वाले 18 वर्ष से अधिक युवाओं को सरकार आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है।
- इसी के साथ आयुष्मान भारत समेत कई योजनाओं का लाभ अनाथ बच्चों को मिल रहा है।
- साथ ही आजीविका व्यय के लिए भी पैसे दिए जा रहे हैं।
- इस योजना के माध्यम से अनाथ बच्चों को पढ़ाई में तथा भविष्य को उज्जवल बनाने में भी लाभ मिल रहा है।

'स्पॉन्सरशिप योजना' में मध्यप्रदेश के स्थानीय निवासी परिवार के 18 वर्ष से कम उम्र के उन बच्चों के लिए है, जिनके माता-पिता की मृत्यु हो चुकी है और वह रिश्तेदार अथवा संरक्षक की देखरेख में रह रहे हों तथा जो मुख्यमंत्री कोविड 19 बाल सेवा योजना की पात्रता में नहीं आते हैं। ऐसे बच्चे योजना में पात्र हैं। स्पॉन्सरशिप में पात्र पाये गये प्रत्येक बच्चे को 4 हजार रुपए प्रतिमाह की सहायता राशि न्यूनतम एक वर्ष के लिये दी जाती है। बालक अथवा परिवार की आर्थिक समृद्धता में सुधार न होने की स्थिति में न्यूनतम एक वर्ष की अवधि में वृद्धि करने का प्रावधान है, किन्तु किसी भी स्थिति में अधिकतम 18 वर्ष की आयु के बाद राशि देय नहीं है। प्रत्येक बच्चे का आयुष्मान कार्ड भी स्वास्थ्य विभाग द्वारा बनाया गया है। स्पॉन्सरशिप योजना में पात्र पाये गये बच्चे को सहायता देने का प्रावधान बनाया गया है।

- **आर्थिक सहायता-** योजना में पात्र पाये गये प्रत्येक बच्चे को 4000/- प्रतिमाह की सहायता राशि दी जाती है जो बच्चे एवं रिश्तेदार अथवा संरक्षक के संयुक्त खाते में जमा की जाती है, जो न्यूनतम 01 वर्ष के लिए रहती है। बालक अथवा परिवार की आर्थिक समृद्धता में सुधार न होने की स्थिति में अवधि में वृद्धि की जा सकेगी किन्तु किसी भी स्थिति में अधिकतम 18 वर्ष की आयु के पश्चात राशि देय नहीं होती है।
- **चिकित्सा सहायता -** चिकित्सा सहायता दिये जाने हेतु प्रत्येक बच्चे का आयुष्मान कार्ड स्वास्थ्य विभाग द्वारा बनाया जाता है। जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाये जाने हेतु बच्चों की सूची सहित आवश्यक जानकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को उपलब्ध करवायी जाती है।

स्पॉन्सरशिप अंतर्गत लाभान्वित करने की प्रक्रिया

- जिला कार्यक्रम अधिकारी /जिला बाल संरक्षण अधिकारी (महिला एवं बाल विकास विभाग) का यह दायित्व होगा कि वह ऐसे परिवारों की पहचान करें, जो योजना के हितग्राही हों। योजना के समस्त लाभ पोर्टल के माध्यम से दिए जाते हैं।
- जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा योजना के पोर्टल में दर्ज बच्चे की गृह अध्ययन की रिपोर्ट एवं परिवार की सामाजिक अन्वेषण रिपोर्ट मध्यप्रदेश (स्पॉसरशिप) दिशा-निर्देश तैयार किए गए हैं।
- गृह अध्ययन की रिपोर्ट एवं परिवार की सामाजिक अन्वेषण रिपोर्ट तथा अन्य दस्तावेजों की जांच के पश्चात ऐसे बच्चों की सूची तैयार कर बाल कल्याण समिति को प्रेषित की जाती है।
- जिला बाल संरक्षण अधिकारी से प्राप्त सूची अनुसार बच्चों की सामाजिक अन्वेषण रिपोर्ट तथा अन्य दस्तावेजों की जांच एवं मूल्यांकन के आधार पर बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय अधिनियम एवं नियम में दी गई प्रक्रिया का पालन करते हुये, बच्चों को देखरेख और संरक्षण देने की आवश्यकता सुनिश्चित करती है।
- योजना में उन्हीं बच्चों को लाभ दिया जाता है जिन्हें बाल कल्याण समिति द्वारा देखरेख और संरक्षण का जरूरतमंद बालक माना गया है। ऐसे चिन्हांकित सभी बच्चों की सूची जिला बाल संरक्षण अधिकारी द्वारा गृह अध्ययन एवं सामाजिक अन्वेषण रिपोर्ट के साथ उपरोक्त समिति के समक्ष अनुशंसा हेतु प्रस्तुत किए जाते हैं।
- स्पॉन्सरशिप योजना में परिवार/बालक की समृद्धता का परीक्षण और लाभ की निरन्तरता अथवा समाप्ति का निर्धारण गठित समिति के द्वारा किया जाता है। यह स्वीकृति आदेश प्रत्येक हितग्राही हेतु प्रति वर्ष जारी किया जाता है एवं इसके लिये सम्पूर्ण प्रक्रिया समय से पहले ही पूरी कर ली जाती है। पोर्टल से ही स्वीकृति भी आदेश जारी कर दिए जाते हैं।

निशुल्क दी जाती हैं दवाएं

लाभार्थियों - यानी 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों - को निःशुल्क निदान और उपचार निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। ये नवजात कोने रेडियंट वार्मर, वेइंग स्केल, कार्यात्मक पुनर्जीवन किट, सक्शन मशीन और म्यूकस सकर्स से सुसज्जित हैं। इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर और रीवा के मेडिकल कॉलेजों में बाल चिकित्सा प्रोत्साहन देखभाल इकाई पीआईसीयू कार्यरत हैं। भोपाल, गुना, मुरैना, दतिया और रतलाम के जिला अस्पताल पीआईसीयू के माध्यम से गंभीर रूप से बीमार बच्चों को सेवाएं प्रदान करते हैं।

RTE से खुले श्रेष्ठ शिक्षा के द्वार

RTE मध्य प्रदेश योजना में अनाथ बच्चे भी स्कूल में दाखिला ले रहे हैं। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा RTE MP Admission के द्वारा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के बच्चों के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू की गई है। इस योजना में बच्चों के प्रवेश के लिए माता-पिता की वार्षिक आय 1 लाख रुपए से कम होनी चाहिए। एनआईसी द्वारा ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से सीट आवंटन किया जाता है। आवेदन केवल ऑनलाइन ही दर्ज किये जा रहे हैं। आवेदक पोर्टल पर अपना आवेदन स्वयं करते हैं। यदि आवेदक को किसी प्रकार की परेशानी होती है, तो वह संबंधित विकासखण्ड के जनपद शिक्षा केन्द्र (बीआर.सी. कार्यालय) में जाकर आरटीई प्रवेश हेतु स्थापित हेल्प डेस्क की सहायता से प्रवेश हेतु आवेदन करता है।

आरटीई मध्यप्रदेश प्रवेश की पात्रता

- कमजोर वर्ग के लिए बी.पी.एल./ अंत्योदय कार्ड मान्य।
- महिला एवं बाल विकास अधिकारी द्वारा पंजीकृत अनाथ बच्चे।
- अगर अभ्यर्थी HIV ग्रस्त केटेगरी का है तो जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी प्रमाण पत्र।
- वंचित समूह के अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, वनभूमि के पट्टाधारी परिवार, विमुक्त जाति, निःशक्त बच्चे (मेडिकल बोर्ड से जारी प्रमाण पत्र अनुसार) या HIV ग्रस्त बच्चो को शामिल किया जाता है।
- बच्चों का नर्सरी या फर्स्ट क्लास में पढ़ना आवश्यक है।
- बच्चों को मध्य प्रदेश का स्थायी या मूल निवासी होना चाहिए।
- बच्चों के निवास के नजदीकी निजी स्कूलों में आरटीई प्रवेश फार्म जमा किये जाते हैं।
- सभी विवरण सही होने के साथ अभिभावकों को ऑनलाइन फॉर्म जमा करने की पात्रता होती है।
- बच्चों के माता-पिता की वार्षिक आय अधिकारिक आय मानदंडों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- आरटीई कानून के अनुसार गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले परिवार के बच्चे, अनाथ बच्चे, कोविड महामारी में माता-पिता दोनों को या किसी एक को खो चुके बच्चे को प्राइवेट स्कूल में दाखिला मिल सकता है।

जरूरी है निगरानी एवं मूल्यांकन

- आफ्टर केयर में लाभांवित केयर लीवर्स का फॉलोअप जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा प्रति माह किया जाता है। केयर लीवर्स का निरंतर फालोअप जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा किया जाता है।
- स्पॉन्सरशिप से लाभांवित बच्चों के फालोअप, मूल्यांकन सामाजिक अन्वेषण रिपोर्ट एवं व्यक्तिगत देखरेख योजना, सामाजिक रिपोर्ट ,परिवार की स्थिति का आंकलन किये जाने के उपरांत जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा प्रत्येक बच्चे की रिपोर्ट तैयार की जाती है। रिपोर्ट के मूल्यांकन के आधार पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी आर्थिक सहायता समाप्त किये जाने अथवा लाभ की निरंतरता बनाये रखने हेतु समिति को प्रेषित करती है।
- योजना में लाभांवित बच्चों की मॉनिटरिंग हेतु पुनर्वास सह-स्थापन अधिकारी जिम्मेदारी निभाते हैं तथा वह पोर्टल पर नियमित डेटा प्रविष्टि, मॉनिटरिंग एवं बच्चों को रोजगार एवं स्व-रोजगार के माध्यम से पुनर्वास करवाये जाने की कार्यवाही भी सुनिश्चित करते हैं।
- प्रति 3 माह में जिला बाल संरक्षण इकाई, केयर लीवर्स एवं बच्चे से प्राप्त समस्यायें एवं विभागीय समन्वय के मुद्दों को शामिल करते हुये योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाता है।

मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना से अनाथ बच्चों को मिला संबल

कोविड बाल सेवा योजना

मध्य प्रदेश सरकार का संकल्प है कि, माता-पिता की कोरोना से मृत्यु हुई हो अथवा और किसी कारण से, ऐसे किसी भी बच्चे को प्रदेश की धरती पर अनाथ नहीं रहने देंगे, राज्य की सरकार उनकी अभिभावक की भूमिका निभा रही है। उनकी देख-रेख का पूरा जिम्मा भी सरकार द्वारा उठाया जा रहा है। सरकार समाज के साथ मिलकर ऐसे बच्चों की शिक्षा, आश्रय आहार और जीवन-यापन की संपूर्ण व्यवस्था करती है। साथ ही जो परिवार पिता की कमाई पर ही आश्रित हैं, उन परिवारों में पिता की मृत्यु के बाद बच्चों की देखरेख के संबंध में भी सरकार गंभीरता से काम कर रही है। मुख्यमंत्री कोविड बाल सेवा योजना में ऐसे बच्चों को 5 हजार रुपए प्रतिमाह की सहायता दी जा रही हैं। साथ ही निःशुल्क अनाज भी दिया जा रहा है। जिन बच्चों के माता-पिता की कोविड-19 से आकस्मिक मृत्यु हो गई है, ऐसे बच्चों को आर्थिक, खाद्य एवं शिक्षा सहायता देने का निर्णय लिया है, ऐसे सभी बच्चों के लिये राज्य शासन ने मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना प्रदेश में लागू की गयी है।

मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना का उद्देश्य

बच्चों को आर्थिक, खाद्य एवं शिक्षा सहायता देना कोविड-19 बाल कल्याण योजना मुख्य उद्देश्य है, ताकि वे गरिमापूर्ण जीवन निर्वाह करते हुए अपनी शिक्षा भी निर्विघ्न रूप से पूरी कर सके।

मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण के लिए पात्रता

- प्रभावित परिवार मध्यप्रदेश का स्थानीय निवासी हो।
- परिवार को मुख्यमंत्री कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना का लाभ प्राप्त करने की पात्रता नहीं हो।
- ऐसे प्रत्येक बाल हितग्राही, जिनके माता-पिता, अभिभावक की कोविड -19 से मृत्यु होने से अनाथ हो गये हैं, को पाँच हजार रुपये प्रतिमाह आर्थिक सहायता राशि के पात्र हैं।
- बाल हितग्राही के मृतक माता-पिता ऐसे शासकीय सेवक या शासकीय उपक्रम के सेवक न हों, जिन्हें पुरानी पेंशन स्कीम में पेंशन पाने की पात्रता हो।
- बाल हितग्राही की आयु 18 वर्ष से कम है तो सहायता राशि चिन्हांकित संरक्षक और बच्चे के संयुक्त खाते में जमा की जाती है। 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने के बाद उनके व्यक्तिगत खाते में राशि दिए जाने का प्रावधान है।

मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना में आवेदन कैसे भरे

- covidbalkalyan.mp.gov.in पर निःशुल्क आवेदन किया जा सकता है।
- 18 वर्ष से कम उम्र के अनाथ बाल हितग्राहियो के संरक्षक का चयन कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति करती है।
- समस्त लाभ पोर्टल के माध्यम से दिये जाते हैं। पोर्टल पर प्राप्त आवेदन पर कार्यवाही जिला कलेक्टर के लॉगिन से की जाती है।
- प्रकरणों की स्वीकृति और अनुमोदन जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा किया जाता है।
- इस समिति में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, उप संचालक सामाजिक न्याय और जिला शिक्षा अधिकारी सदस्य होते हैं।
- जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला-बाल विकास, समिति के सदस्य सचिव होते हैं। समिति के अनुमोदन के पश्चात सहायता प्रदान करने के आदेश समिति के सदस्य सचिव द्वारा जारी किये जाते हैं।

मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना के लाभ

- मध्यप्रदेश के मूल निवासी ऐसे बाल हितग्राही जिनके माता-पिता की मृत्यु कोविड से मार्च 1, 2021 से 30 जून 2021 के बीच हुए हो, ऐसे प्रत्येक बाल हितग्राही को मध्यप्रदेश शासन द्वारा रु 5000 प्रतिमाह की सहायता राशि दी जा रही है।
- रहने का स्थान न होने पर बाल देखरेख संस्था में प्रवेश दिया जाता है।
- निः शुल्क मासिक राशन देने का प्रावधान भी योजना में है।

मासिक आर्थिक सहायता

प्रत्येक बाल हितग्राही की सहायता राशि सीधे बैंक खाते में जमा की जाती है। यदि बच्चे की आयु 18 वर्ष से कम है तो बच्चों की सहायता राशि चिन्हांकित संरक्षक के संयुक्त खाते में जमा की जाती है। 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने के उपरांत उसके व्यक्तिगत खाते में जमा की जाने लगेगी। सहायता राशि संबंधित बाल हितग्राही को 21 वर्ष की आयु तक देय है।

अब प्रदेश के हर जिला अस्पताल में एसएनसीयू

प्रदेश में शिशु मृत्यू दर को कम करने के लिए प्रदेश सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं। इसके तहत प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में एसएनसीयू यूनिट शुरू की गई हैं। प्रदेश में अब शिशु मृत्यू दर 82 से कम होकर 43 रह गई है। जिला स्तर पर मिल रहे बेहतर इलाज की वजह से यह संभव हो सका है। प्रदेश में 61 पीआईसीयू और 58 एनबीएसयू यूनिट संचालित की जा रही हैं। उप स्वास्थ्य केंद्र की संख्या 8835 से बढ़कर 10258 हो गई है। प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों की एसएनसीयू यूनिट में सभी प्रकार की आधुनिक मशीनों का भी इंतजाम किया गया है। इससे गरीब वर्ग को अपने बच्चों के इलाज के लिए परेशान नहीं होना पड़ रहा है। एसएनसीयू को चालू करने के लिए अतिरिक्त जनशक्ति-बाल रोग विशेषज्ञों और स्टाफन नर्सों की भर्ती की गई है। वतज़्मान में इन इकाइयों में 137 बाल रोग विशेषज्ञ, पीजीएमओ और 880 स्टाफ नर्स तैनात हैं।

इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर और रीवा के मेडिकल कॉलेजों में बाल चिकित्सा प्रोत्साहन देखभाल इकाई पीआईसीयू कार्यरत हैं। भोपाल, गुना, मुरैना, दतिया और रतलाम के जिला अस्पताल पीआईसीयू के माध्यम से गंभीर रूप से बीमार बच्चों को सेवाएं प्रदान करते हैं। जिला होशंगाबाद एवं रायसेन में आदर्श बाल चिकित्सा ईटीएटी केन्द्र स्थापित हैं। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम - आरबीएसके कार्यक्रम के तहत जन्मजात दोष, रोग, कमियाँ और विकासात्मक देरी की पहचान की जाती है।

भाजपा को मिला नया साथी

लोकसभा चुनाव से पहले एनडीए का बढ़ा कुनबा, जेडीएस भी शामिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले भाजपा को एक नया साथी मिल गया है। कर्नाटक की तीसरे नंबर की पार्टी जनता दल सेक्युलर अब एनडीए का हिस्सा होगी। शुक्रवार को होम मिनिस्टर अमित शाह से जेडीएस के नेता एचडी कुमारस्वामी ने मुलाकात की थी। इसके बाद यह फैसला लिया गया है। कुमारस्वामी और होम मिनिस्टर अमित शाह की मुलाकात के दौरान बीजेपी चीफ जेपी नड्डा और गोवा के सीएम प्रमोद सावंत भी मौजूद थे। भाजपा और जेडीएस के बीच लंबे समय से गठबंधन को लेकर बात चल रही थी। माना जा रहा है कि कर्नाटक में इससे भाजपा को बड़ी बढ़त मिल सकती है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कुमारस्वामी और अमित शाह संग तस्वीरें शेयर करके इसकी जानकारी दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'कर्नाटक के पूर्व सीएम और जेडीएस के मुखिया कुमारस्वामी से बात की। इस दौरान होम मिनिस्टर अमित शाह भी मौजूद थे। मुझे खुशी है कि जेडीएस ने एनडीए गठबंधन में शामिल होने का फैसला लिया।

जेडीएस को मिलेंगी चार लोस सीटें

गौरतलब है कि पिछले दिनों ही यह खबर आई थी कि अमित शाह के साथ जेडीएस लीडरशिप की गठबंधन को लेकर बात हुई है। इसमें फैसला हुआ था कि भाजपा की ओर से 4 लोकसभा सीटें 2024 के चुनाव में जेडीएस को दी जाएंगी। दक्षिण भारत में कर्नाटक भाजपा का सबसे मजबूत गढ़ रहा है। 28 सीटों वाले इस राज्य में जेडीएस को साथ लाने से उसे फायदा हो सकता है। इसके अलावा सामाजिक समीकरणों को साधने में भी उसे मदद मिलेगी।

मशहूर बाइक रेसिंग चैंपियनशिप

इवेंट के पहले दिन ही विवादों में मोटो जीपी, दिखाया भारत का गलत नक्शा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत में दुनिया की मशहूर बाइक रेसिंग चैंपियनशिप मोटोजीपी की शुरुआत हो चुकी है। मोटो जीपी भारत का प्रैक्टिस सेशन ग्रेटर नोएडा के बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर हो रहा है। दो दिनों की प्रैक्टिस के साथ ही शनिवार से चैंपियनशिप का क्वालिफाइंग मैच शुरू होगा। ये इवेंट अपनी शुरुआत में ही विवाद में आ गया है। विवाद में आने की वजह इवेंट में इस्तेमाल किया गया भारत का गलत नक्शा है। सोशल मीडिया पर गलत नक्शे को लेकर हो रही आलोचना के बाद मोटो जीपी भारत ने अपनी गलती के लिए माफी मांगी है। इस नक्शे में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को भारत से बाहर दिखाया गया था।

आयोजकों ने कहा है कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत सुधार कर लिया गया है।

कहां देख सकते हैं इवेंट ?: इस इवेंट के पहले दिन सिर्फ प्रैक्टिस मैच होंगे। वहीं, दूसरे दिन प्रैक्टिस मैच और क्वालिफाइंग मैच दोनों होंगे। इवेंट के तीसरे दिन यानी रविवार को रेस का फाइनल मैच होगा। आप इस रेस की लाइव स्ट्रीमिंग देख सकते हैं।

सुधारा नक्शा, विवाद बढ़ने पर मांगी माफी

मामले पर संज्ञान लेते हुए मोटोजीपी ने माफीनामा भी शेयर किया है। इस लेटर में उन्होंने लिखा है, 'मोटोजीपी ब्रॉडकास्ट की शुरुआत में दिखाए गए मैप के लिए हम अपने सभी भारतीय फैंस से माफी मांगते हैं। अपने होस्ट देश को सपोर्ट करने और उनके एप्रिसिएशन के अलावा हमारा कोई और इरादा नहीं रहा है। उन्होंने लिखा, 'हम आपके साथ मिलकर इंडियन ऑइल ग्रैंड प्रिक्स का आनंद उठाने के लिए उत्साहित हैं और हमें बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर अपना पहला अनुभव अच्छा लगा है।

खबर संक्षेप

भारतवंशी चेतना मारू का उपन्यास बुकर की अंतिम सूची में शामिल

लंदन। लंदन में भारतीय मूल की लेखिका चेतना मारू के पहले उपन्यास 'वेस्टर्न लेन' को 2023 बुकर पुरस्कार के लिए अंतिम सूची में शामिल किया गया है। केन्या में जन्मी मारू के उपन्यास के संदर्भ का ताना बाना ब्रिटिश गुजराती परिवेश से जुड़ा है और बुकर पुरस्कार के निर्णायक मंडल ने इस उपन्यास में जटिल मानवीय भावनाओं को व्यक्त करने के लिए स्क्वैश खेल को रूपक के तौर पर इस्तेमाल करने की प्रशंसा की है।

माता अमृतानंदमयी को मिला ग्लोबल अवार्ड

बोस्टन। प्रसिद्ध आध्यात्मिक नेता माता अमृतानंदमयी देवी को बोस्टन ग्लोबल और फोरम (बीजीएफ) और माइकल डुकाकिस इंस्टीट्यूट फॉर लीडरशिप एंड इनोवेशन की तरफ से '2023 वर्ल्ड लीडर फॉर पीस एंड सिक्योरिटी अवार्ड' के लिए चुना गया है। मिली सूचना के मुताबिक अपने प्रशंसकों और अनुयायियों के बीच "अम्मा" के नाम से लोकप्रिय देवी को वैश्विक शांति, आध्यात्मिकता और करुणा में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए इस सम्मान के लिए उनका चुनाव हुआ है।

यूपीः अब फुल पैंट-शर्ट पहनेंगे प्राइमरी के बच्चे

लखनऊ। बच्चों को संचारी रोगों से बचाव के लिए योगी सरकार ने निर्देश दिए हैं कि परिषदीय विद्यालयों के छात्रों को फुल पैंट शर्ट में आने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। विद्यालय प्रांगण में पानी का जमाव न होने दिया जाए। मच्छरों से संबंधित फागिंग कराई जाए। उल्लेखनीय है कि सीएम योगी के निर्देश पर बेसिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव की ओर से सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी कर कहा गया है कि तीन अक्टूबर से शुरू हो रहे संचारी रोग नियंत्रण अभियान में बेसिक शिक्षा विभाग भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाए।

खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड

भारत को उकसा रहा कनाडा, लेकिन नहीं कर रहा कोई भी साक्ष्य सार्वजनिक

खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड में कनाडा ने भारत का हाथ होने का आरोप लगाया है। जिसे भारत ने सिरे से खारिज कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी कहा कि कनाडा ने इस मामले को लेकर कोई भी सबूत या विशेष जानकारी उपलब्ध नहीं कराई है। हालांकि, कनाडा की मीडिया ने दावा किया है कि निज्जर हत्याकांड में कनाडा के पास भारतीय राजनयिकों की बातचीत का रिकार्ड मौजूद है।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कनाडा की सबसे बड़ी न्यूज एजेंसी कनाडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (सीबीसी) ने सूत्रों के हवाले से लिखा है, "निज्जर हत्याकांड में कनाडाई सरकार ने महीनों तक चली जांच में ह्यूमन और सिग्नल दोनों तरह की खुफिया जानकारियां जुटाई हैं। कनाडाई सरकार के सूत्रों का कहना है कि उस खुफिया जानकारी में भारतीय राजनयिकों समेत कनाडा में मौजूद भारतीय राजनयिकों के बीच बातचीत का रिकॉर्ड भी शामिल है। भारतीय अधिकारियों ने भी निजी तौर पर इन सबूतों को नकारा नहीं है।

फाइव आइज गठबंधन से सहयोग

इसी बीच कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच जी-20 समिट के दौरान मुलाकात हुई थी। सीबीसी न्यूज ने आगे लिखा है, "कनाडाई सूत्रों का कहना है कि बंद दरवाजों के पीछे हुई मुलाकात के दौरान जब भारत पर दबाव डाला गया तो किसी भी भारतीय अधिकारी ने इस आरोप से इनकार नहीं किया कि कनाडा की धरती पर एक कनाडाई नागरिक की हत्या में भारत की संलिप्तता के सबूत मौजूद हैं।

खास बातें

- भारतीय विदेश मंत्रालय ने संलिप्तता सहित तमाम आरोपों को किया है खारिज
- कनाडा मीडिया का दावा- भारतीय राजनयिकों की बातचीत का रिकॉर्ड मौजूद

कनाडा ने भारत पर लगाया है गंभीर आरोप

9 जून 2023 को कनाडा के सरे शहर में हरदीप सिंह निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। निज्जर को मंदिर की पार्किंग में उसके ट्रक में गोली मारी गई थी। इस मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। 19 सितंबर को कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा की संसद में निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप लगाया था। ट्रूडो ने गुरुवार को अमेरिकी शहर न्यूयार्क में भी भारत पर इन्हीं आरोप को दोहराया है। हालांकि, कनाडाई सरकार की ओर से ऐसे कोई भी साक्ष्य सार्वजनिक नहीं किए गए हैं कि निज्जर की हत्या में भारत का हाथ है। सीबीसी न्यूज ने लिखा है कि कानूनी प्रक्रिया के दौरान साक्ष्य को सामने लाया जा सकता है।

भारत ने किया कनाडा के आरोप को खारिज

भारतीय विदेश मंत्रालय ने ट्रूडो के आरोप को सिरे से खारिज कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कनाडा के आरोप का जवाब देते हुए कहा है कि कनाडा में हिंसा के किसी भी कृत्य में भारत की संलिप्तता के आरोप बेतुके और प्रेरित हैं। इन आरोपों का मकसद खालिस्तानी आतंकवादियों और चरमपंथियों से ध्यान हटाने की कोशिश है। गुरुवार को हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत को कनाडा की तरफ से कोई सबूत नहीं दिए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई से किया इंकार

ईवीएम मशीन के सॉफ्टवेयर के ऑडिट की मांग खारिज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम के सॉफ्टवेयर के ऑडिट की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि ऐसा कोई तथ्य या सबूत पेश नहीं किया गया है, जिससे पता चले कि चुनाव आयोग ने संविधान का उल्लंघन किया है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि उसके समक्ष कार्रवाई करने योग्य ऐसी कोई सामग्री पेश नहीं की गई है, जो यह दिखाती हो कि चुनाव कराने में निर्वाचन आयोग ने संवैधानिक शासनादेश का उल्लंघन किया है।

पीठ ने कहा कि निर्वाचन आयोग पर चुनाव के नियंत्रण की जिम्मेदारी है। वर्तमान में याचिकाकर्ता ने इस अदालत के समक्ष कार्रवाई करने योग्य ऐसी कोई सामग्री पेश नहीं की है, जो यह दिखाती हो कि चुनाव कराने में निर्वाचन आयोग ने संवैधानिक शासनादेश का उल्लंघन किया है। हमारे सामने ऐसी कोई सामग्री नहीं है जो ईवीएम को लेकर शक पैदा करती हो। यह जनहित याचिका सुनील अहया ने दायर की थी। याचिकाकर्ता ने पहले चुनाव आयोग से भी ईवीएम मशीन के सॉफ्टवेयर का स्वतंत्र ऑडिट कराने की मांग की थी। हालांकि, मांग न पूरी होने पर याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

वैवाहिक दुष्कर्म : अक्तूबर के मध्य में होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि वह वैवाहिक दुष्कर्म के मामले पर अक्तूबर के मध्य में सुनवाई करेगा। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर की गई हैं, जिनमें एक अहम कानूनी सवाल उठाया गया है। अगर कोई व्यक्ति अपनी बालिग पत्नी से जबरन शारीरिक संबंध बनाता है तो उसके खिलाफ दुष्कर्म का मामला नहीं चलाया जा सकता। याचिकाओं में इस कानूनी प्रावधान को चुनौती दी गई है। वकील करुणा नंदी ने कोर्ट में सबमिशन दिया कि वैवाहिक दुष्कर्म से संबंधित याचिकाओं पर जल्द सुनवाई की जाए।

पांचों स्वयंसेवकों को जमानत इंफाल के हालात में सुधार

मणिपुर उपद्रव : इन्हीं पांच लोगों के लिए भीड़ ने थानों पर बोला था धावा

एजेंसी ▶▶| इंफाल

मणिपुर के इंफाल में जिन पांच लोगों को छुड़ाने के लिए दो दिनों तक प्रदर्शनकारियों ने हंगामा काटा, उन्हें कोर्ट से जमानत मिल गई है। शुक्रवार को एक विशेष अदालत ने उन पांच ग्राम रक्षा स्वयंसेवकों को जमानत दे दी, जिन्हें हथियार रखने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया कि कुछ शर्तों के साथ 50,000 रुपये के मुचलके पर सभी को जमानत पर रिहा कर दिया गया।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि पांचों आरोपियों को जांच में सहयोग करना होगा, जांच अधिकारियों के सामने पेश होना होगा अभियोजन पक्ष के गवाहों को प्रभावित नहीं करना होगा। अदालत ने सभी आरोपियों को बिना अनुमति के मणिपुर नहीं छोड़ने का भी निर्देश दिया है। कोर्ट ने रिमांग की मांग को खारिज करते हुए कहा कि गिरफ्तारी के समय तक सभी आरोपी व्यक्तियों ने राज्य के खिलाफ कोई भी पूर्वाग्रहपूर्ण गतिविधि नहीं की है। बता दें कि इन पांचों युवकों को छुड़ाने के लिए गुरुवार को राज्य में सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच व्यापक झड़पें देखी गईं. प्रदर्शनकारियों ने पुलिस स्टेशनों पर भी धावा बोलने का प्रयास किया था।

कर्फ्यू के बाद हालात में सुधार

थौबल, काकचिंग समेत कई जिलों में दी गई छूट

इंफाल के पूर्वी और पश्चिमी दो जिलों में कर्फ्यू लगने के बाद शुक्रवार को हालात चिंताजनक के साथ सामान्य रहा। गुरुवार को पुलिस स्टेशनों में प्रदर्शनकारियों के प्रदर्शन के बाद जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया था। दरअसल, प्रदर्शनकारी उन पांच युवकों की रिहाई की मांग कर रहे हैं, जिन्हें पुलिस ने वर्दी पहनने और हथियार ले जाने के आरोप में गिरफ्तार किया था। पूर्वी इंफाल जिले के पोरोम्पट हेंगेंग और पश्चिमी इंफाल जिले के सिंग्जामेई और क्वाकेथेल पुलिस स्टेशन पर हमला के दौरान 30 से अधिक लोग घायल हो गए थे, उनमें से ज्यादातर महिलाएं थी। घायलों में आरएएफ के जवान में शामिल थे। पूर्वी और पश्चिमी इंफाल के अधिकारियों ने नगर पालिका, बिजली विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पीएचईडी के कर्मचारियों, मीडियाकर्मियों और विमान यात्रियों को कर्फ्यू के दायरे से छूट दी है।

वायुसेना स्टेशन का हीरक जयंती समारोह

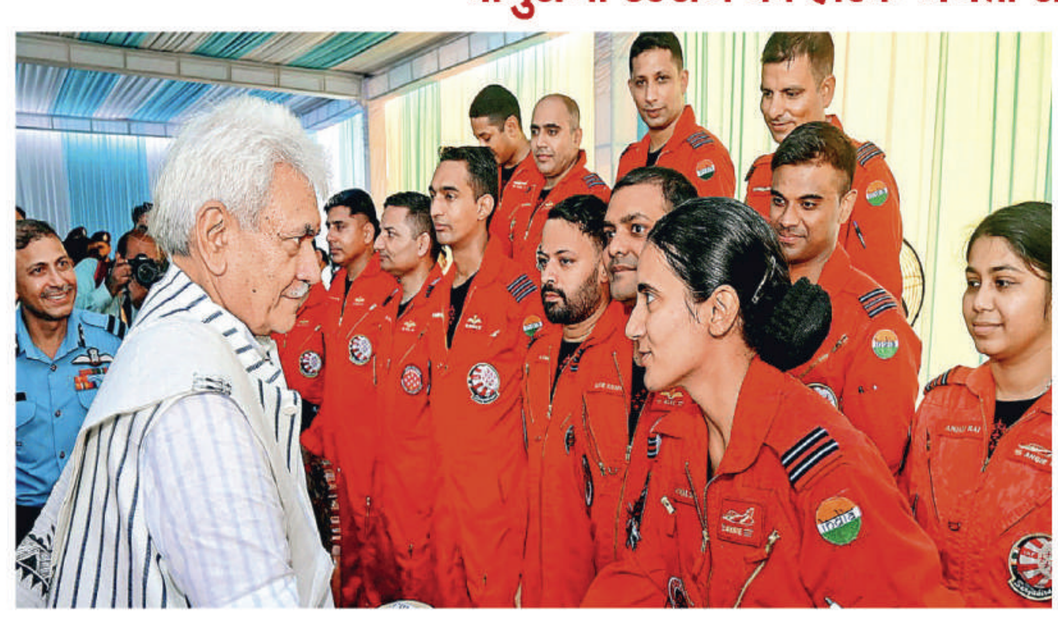

जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, शुक्रवार, को जम्मू में वायु सेना स्टेशन जम्मू के हीरक जयंती समारोह के दौरान एयरफोर्स कर्मियों से मिलते हुए।

दक्षिण चीन सागर में शक्ति प्रदर्शन का आगाज

भारत-सिंगापुर की नौसेनाओं का द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और सिंगापुर के नौसेनाओं ने दक्षिण चीन सागर के दक्षिणी हिस्से में एक सप्ताह तक चलने वाले द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास सिम्बेक्स की शुरुआत की। इसके लिए दोनों ही देशों ने अपनी एक-एक पनडुब्बी तैनात की है। भारतीय नौसेना की तरफ से राजपूत-क्लास डिस्ट्रॉयर आईएनएस रनविजय, कमोर्टा-क्लास कोर्वेट आईएनएस कवरत्ती और एक पी-81 मरीटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट ने गुरुवार से शुरू हुए इस अभ्यास में हिस्सा लिया है। वहीं सिंगापुर की तरफ से इस अभ्यास में आरएसएस स्टालवार्ट और आरएसएस टेनियस शामिल हैं। इस द्विपक्षीय अभ्यास के उद्घाटन समारोह में आरएसएन फ्लीट कमांडर कोलोनेल (सीओएल) क्वान होन चुंग और भारत के पूर्वी नौसेना कमांड फ्लैग अफसर कमांडिंग इन चीफ वाइस एडमिरल राजेश पेनधरकर शामिल हुए।

अमेरिका, रुस में भी संयुक्त युद्धाभ्यास करेगी भारतीय सेना

अमेरिकी सेना और भारतीय सेना के बीच एक सैन्य युद्धाभ्यास होगा। अमेरिका के अलास्का में होने वाले युद्धाभ्यास में 350 कर्मियों के साथ एक ब्रिगेडर रैंक अधिकारी के नेतृत्व में भारतीय सेना की टुकड़ी शामिल होगी। युद्धाभ्यास में शामिल होने वाले सभी भारतीय सैनिक मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट के हैं। दोनों देशों की सेना के बीच यह युद्धाभ्यास 25 सितंबर से 8 अक्टूबर तक चलेगा। अमेरिकी सेना और भारतीय सेना के बीच होने वाला यह एक नियमित अभ्यास है। वहीं दूसरी ओर, आसियान रक्षा मंत्री की बैठक के तहत बहुराष्ट्रीय अभ्यास में 35 कर्मियों के साथ भारतीय सेना की एक टुकड़ी रुस का दौरा करेगी। यह बहुराष्ट्रीय अभ्यास रुस के व्लादिवोस्तोक में आयोजित होगा।

मोहाली में 27 साल बाद कंगारुओं से जीता भारत

ऑस्ट्रेलिया को पहले वनडे में 5 विकेट से हराया, दूसरा वनडे कल इंदौर में दोपहर 1.30 से

मोहाली, (एजेंसी)। मोहम्मद शमी (51 रन पर पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद शुभमन गिल (74), ऋतुराज गायकवाड(71),केएल राहुल (58 नाबाद) और सूर्यकुमार यादव (50) की इन फार्म बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने शुक्रवार को यहां पहले वनडे मैच में आस्ट्रेलिया को आठ गेंद शेष रहते पांच विकेट से हरा कर अगले महीने शुरू हो रहे विश्व कप की तैयारियों को दिशा दिखाई। भारत की यह 27 सालों में मोहाली में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली जीत है। इस जीत के साथ ही भारत आईसीसी वनडे रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंच गया। वह टी20 और टेस्ट में पहले ही शीर्ष पर था। इस तरह भारत एक ही समय में तीनों फॉर्मेट में नंबर-1 बन गया है। वह एक ही समय में तीनों फॉर्मेट में पहले स्थान पर पहुंचने वाली दूसरी टीम बन गई। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने ऐसा किया था। वह अगस्त 2012 में एक साथ टेस्ट-वनडे और टी20 में पहले पायदान था।

भारत ने पहले घातक गेंदबाजी और चुस्त क्षेत्ररक्षण की मदद से ऑस्ट्रेलिया की पारी को 50 ओवरों में 276 रनों पर समेट दिया जबकि बाद में बल्ले से भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 48वें ओवर में ही 277 रनों के विजय लक्ष्य को हासिल कर लिया। चुनौती पूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए गिल और गायकवाड़ ने 142 रन की भागीदारी कर अपनी टीम को जीत के लिए मजबूत प्लेटफार्म तैयार करके दिया जिस पर राहुल और सूर्यकुमार ने जीत की मीनार खड़ी कर दी। गिल ने 63 गेंदो में छह चौके और दो छक्के लगाए। अय्यर(3) हालांकि सस्ते में ही रन चुराने के चक्कर में अपना विकेट गंवा बैठे। इसके बाद सूर्या और केएल ने अर्धशतक जड़े। इससे पहले शमी ने अपने पहले ओवर में मिचेल मार्श (4) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को पहला झटका दिया हालांकि डेविड वार्नर (52) और स्टीव स्मिथ (41) ने 94 रन की पार्टनरशिप कर पारी को संभाला। आस्ट्रेलिया के नौ विकेट 49वें ओवर में 256 रन पर गिर चुके थे मगर कप्तान पैट कमिंस (21 नाबाद) ने आखिरी की आठ गेंदों पर जमकर प्रहार करते हुये 20 रन जोड़ लिए। भारत के लिए शमी ने पांच विकेट झटके। बुमराह, अश्विन और जडेजा को 1-1 विकेट मिला।

मोहम्मद शमी

10 ओवर

01 मेडन

51 रन

05 विकेट

गिल और गायकवाड़ ने की 142 रनों की साझेदारी

शुभमन गिल ने तोड़ा बाबर आजम का रिकॉर्ड

शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 37 गेंदों पर 74 रन की पारी खेली। शुभमन गिल ने पाकिस्तान के बाबर आजम को पछाड़कर अपने वनडे क्रिकेट करियर के पहले 34 पारियों में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर आ गए। गिल ने 34 वनडे मैचों में अब तक 1813 रन बनाए हैं जबकि बाबर आजम ने 1689 रन बनाए हैं। वनडे की पहली 34 पारियों में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर हाशिम अमला हैं जिन्होंने 1834 रन बनाए थे। गिल (42 छक्के) साल 2023 में रोहित शर्मा (43 छक्के) के बाद भारत की तरफ से सर्वाधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में नंबर-1 बनने वाली दूसरी टीम बनी टीम इंडिया

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत के बाद वनडे में भारत के 116 रेटिंग अंक हो गए। उसने पहला स्थान हासिल करते हुए पाकिस्तान को पीछे छोड़ दिया। पाकिस्तानी टीम को 115 रेटिंग अंक हैं। ऑस्ट्रेलिया तीसरे स्थान पर कायम है। उसके 111 रेटिंग अंक हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्व कप में नंबर-1 टीम के तौर पर नहीं जाएगी। भारत के खिलाफ बाकी बचे दो मैच जीतने के बावजूद पर वह शीर्ष पर नहीं पहुंच पाएगा। हालाँकि, अगर ऑस्ट्रेलिया बाकी दोनों मैच जीत जाता है तो भारत पहले स्थान पर नीचे आ सकता है और पाकिस्तान शीर्ष पर पहुंच सकता है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से पहले पाकिस्तान की टीम वनडे में नंबर वन टीम थी लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में मिली जीत के साथ ही भारत एक बार फिर वनडे में नंबर वन टीम बन गई है। एशिया कप के खत्म होने के बाद पाकिस्तान की टीम नंबर वन टीम बन गई थी, हालांकि टूर्नामेंट में उसे लगातार दो मैच में हार का सामना करना पड़ा था।

स्कोर बोर्ड

ऑस्ट्रेलिया	रन	गेंद	4/6
मिचेल मार्श कै. गिल बो. शमी	04	04	1/0
डेविड वॉर्नर कै. गिल बो. जडेजा	52	53	6/2
स्टीव स्मिथ बो. शमी	41	60	3/1
मार्नस लाबुशेन कै. राहुल बो. अश्विन	39	49	3/0
कैमरन ग्रीन रन आउट	31	52	3/0
जॉश इंग्लस कै. श्रेयस बो. बुमराह	45	45	3/2
मार्कस स्टॉयनिस बो. शमी	29	21	5/0
मैथ्यू शॉर्ट कै. सूर्यकुमार बो. शमी	02	04	0/0
पैट कमिंस नाबाद	21	09	2/1
शॉन ऐबट बो. शमी	02	02	0/0
ऐडम जम्पा रन आउट	02	02	0/0

अतिरिक्तः 8, **कुलः** 50 ओवर में 276 रन पर ऑलआउट, **विकेट पतनः** 1-4, 2-98, 3-112, 4-157, 5-186, 6-248, 7-250, 8-254, 9-256, 10-276 **गेंदबाजीः** मोहम्मद शमी 10-1-51-5, जसप्रीत बुमराह 10-2-43-1, शार्दुल ठाकुर 10-0-78-0, रवि अश्विन 10-0-47- 1, रवींद्र जडेजा 10-0-51-1 .

भारत	रन	गेंद	4/6
ऋतुराज गायकवाड़ पगबाधा जम्पा	71	77	10/0
शुभमन गिल बो. जम्पा	74	63	6/2
श्रेयस अय्यर रन आउट	03	08	0/0
के एल राहुल नाबाद	58	63	4/1
इशान किशन कै. इंग्लस बो. कमिंस	18	26	2/0
सूर्यकुमार यादव कै. मार्श बो. ऐबट	50	49	5/1
रवींद्र जडेजा नाबाद	03	06	0/0

अतिरिक्तः 04, **कुलः** 48.4 ओर में पांच विकेट पर 281 रन, **विकेट पतनः** 1-142, 2-148, 3-151, 4-185, 5-265 **गेंदबाजीः** पैट कमिंस 10-0-44-1, मार्कस स्टॉयनिस 5-0-40-0, शॉन ऐबट 9.4-1-56-1, कैमरन ग्रीन 6-0-44-0, मैथ्यू शॉर्ट 8-0-39-0, ऐडम जम्पा 10-0-57- 2 .

अश्विन करीब सात साल बाद भारत में वनडे खेलने उतरे

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच में आर अश्विन करीब 18 महीने बाद भारतीय वनडे टीम की अंतिम एकादश में जगह बनाने में कामयाब रहे। इससे पहले अश्विन ने 21 जनवरी 2022 को आखिरी वनडे खेला था। अश्विन ने पिछले 5 साल के अंदर सिर्फ दो मैच खेले थे। अश्विन 6 साल 8 महीने बाद भारतीय जमीं पर कोई वनडे खेल रहे थे। उन्होंने भारत में अपना आखिरी वनडे 22 जनवरी, 2017 को इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ कोलकाता में खेला था।

शमी 93 वनडे मैचों के बाद सर्वाधिक विकेट लेने वाले दूसरे तेज गेंदबाज बने

शमी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 10 ओवर में 51 रन देकर 5 विकेट झटके। यह उनके अंतरराष्ट्रीय वनडे करियर का दूसरा 5 विकेट हॉल हैं। शमी 93 वनडे मैचों के बाद सबसे अधिक विकेट लेने वाले दूसरे तेज गेंदबाज हैं। इस सूची में पहले नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क (180) हैं। इन दोनों के बाद ट्रेंट बोल्ट (169), ब्रेट ली (164) और मोर्ने मोर्केल (156) हैं।

16 साल बाद किया यह कारनामा

16 साल बाद यह पहला मौका है, जब भारतीय धरती पर किसी भारतीय तेज गेंदबाज ने पांच विकेट चटकाए हों। शमी से पहले यह कारनामा 2007 में श्रीलंका के खिलाफ जहीर खान ने किया था। भारत की ओर से भारतीय धरती पर वनडे में पांच विकेट चटकाने वाले शमी महज आठवें तेज गेंदबाज हैं, उनसे पहले यह कारनामा मनोज प्रभाकर, जवागल श्रीनाथ, एस श्रीसंत, आरपी सिंह, सौरव गांगुली, जहीर खान और अजीत अगारकर ने ही किया है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच विकेट हॉल लेने वाले तीसरे भारतीय तेज गेंदबाज

शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में 5 विकेट हॉल लेने वाले तीसरे भारतीय तेज गेंदबाज हैं। उनसे पहले पूर्व गेंदबाज कपिल देव (5/43, नॉटिंघम 1983) और अजीत अगरकर (6/42, मेलबर्न 2004) भी ऐसा करनामा कर चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में ओवरऑल 5 विकेट हॉल लेने वाले भारतीय गेंदबाजों में शमी का नंबर 7वां है।

वनडे में भारत के 10वें सबसे सफल गेंदबाज

अनुभवी गेंदबाज शमी (170) इस प्रारूप में भारतीय टीम की ओर से 10वें सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। इस सूची में स्पिनर अनिल कुंबले (334 विकेट) शीर्ष पर है। इसके बाद जवागल श्रीनाथ (315), अगरकर (288), जहीर खान (269), हरभजन सिंह (265), कपिल (253), जडेजा (201), वेंकटेश प्रसाद (196) और इरफान पठान (173) हैं।

शमी ने अपने वनडे करियर में दूसरी बार पांच विकेट झटके।

सूर्या ने वनडे में अपना तीसरा अर्धशतक जड़ा।

कप्तान लोकेश राहुल ने छक्का लगाकर दिलाई जीत।

खेलो एमपी यूथ गेम: जिला स्तरीय खेल प्रतिस्पर्धाओं का समापन

भोपाल,(खेसं)। जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा भोपाल प्रथम खेलो एमपी यूथ गेम 2023 के अंर्तगत जिला स्तरीय खेल प्रतिस्पर्धाओं का समापन शुक्रवार को खेल अंकुर मैदान पर पूर्व ओलंपियन अर्जुन आवार्ड़ी जलालुद्दीन ने किया। इस अवसर पर जिला संभाग खेल अधिकारी रूबीका देवान भी मौजुद थी। अधिक खेलों में फंदा ब्लॉग की टीम विजेता और बैरसिया ब्लॉक की टीम उपविजेता रही। बालक और बालिका वर्ग में फंदा ने फुटबॉल, हॉकी, बैडमिंटन, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल में अपनी शानदार जीत दर्ज की। कुश्ती के मुकाबले में अखाड़े गप्पू उस्ताद मे हुए। भोपाल जिले के चयनित बालक-बालिका दल 27 से 28 सितंबर तक संभागी स्तरीय पर हिस्सा लेंगी।

मॉडल स्कूल ने जीता जिला स्तरीय बास्केटबॉल टूर्नामेंट

भोपाल,(खेसं)। मॉडल स्कूल ने ईएस स्कूल रातीबड़ भोपाल में आयोजित जिला स्तरीय बास्केटबॉल अंडर-19 वर्ष से कम बालक वर्ग प्रतियोगिता का खिताब जीता। मॉडल स्कूल ने सेमीफाइनल मैच में महात्मा गांधी स्कूल को 70-40 से हराया। इसके बाद मॉडल स्कूल ने फाइनल में एसपीएस गांधीनगर को 65-38 से हराकर टूर्नामेंट जीता। विद्यालय के रोहन सेजवाल को प्रतियोगिता में सर्वाधिक स्कोर करने पर बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट एवं शुभांग शेख को बेस्ट फीडर का अवार्ड मिला। साथ ही साथ भोपाल जिले टीम का कप्तान रोहन सेजवाल को चुना गया।

भारतीय पुरुष वालीबॉल टीम क्वार्टरफाइनल में

एशियाई खेलः चीनी ताइपे को 3-0 से दी शिकस्त

हांगझोउ, (एजेंसी)। भारतीय पुरुष वालीबॉल टीम ने शानदार लय जारी रखते हुए शुक्रवार को चीनी ताइपे के खिलाफ 3-0 की जीत से एशियाई खेलों के क्वॉर्टरफाइनल में प्रवेश किया। दक्षिण कोरिया पर शानदार जीत हासिल करने के बाद भारत ने शुक्रवार को चीनी ताइपे पर एक घंटे 25 मिनट में 25-22, 25-22, 25-21 से जीत दर्ज की और पहले से छठे स्थान के प्लेऑफ के लिए क्वॉलीफाई किया। भारत रविवार को जापान या कजाखस्तान के सामने होगा। भारतीय टीम पहले पिछड़ रही थी लेकिन एरिन वर्गीज ने 11-13 से अंतर कम कराया जिसके बाद 21-21 की बराबरी हासिल की। फिर वर्गीज और अश्वल राय ने अंतिम दो अंक जीतकर भारत को बढ़त दिलायी। दूसरे सेट में एक समय स्कोर 17-17 से बराबर था लेकिन भारतीय टीम ने अंतिम क्षण में लगातार अंक जुटाकर 25-22 से इसे भी अपने नाम किया। निर्णायक सेट में भारतीय टीम एक समय 10-4 से आगे थी लेकिन बढ़त गंवाकर 14-14 की बराबरी पर आ गयी। पर उन्होंने 21-18 की बढ़त बनाकर 25-21 से इसे जीत लिया। भारतीय पुरुष टीम ने तीन दशकों से अधिक समय में पहली बार नॉकआउट दौर में चीनी ताइपे को लगातार तीसरी जीत के लिए हराया।

भारतीय पुरुष और महिला टेबल टेनिस टीम का विजयी आगाज

हांगझोउ, (एजेंसी)। भारतीय पुरुष और महिला टेबल टेनिस ने शुक्रवार को एशियाई खेलों में अपने-अपने अभियान का विजयी आगाज किया। पुरुष टीम ने अपने पहले मैच में यमन को 3-0 से हराया। इसके बाद भारतीय टीम ने ग्रुप एफ के अपने दूसरे मैच में सिंगापुर को 3-1 से शिकस्त दी। एशियाड के अपने पहले मुकाबले में अनुभवी शरथ कमल, जी साथियान और हरमीत देसाई को सीधे गेम में जीत दर्ज करने के लिए किसी तरह की मशक्कत नहीं करनी पड़ी। भारतीय महिला टीम ने पूल एफ के शुरुआती मैच में सिंगापुर को 3-2 से हराया। हालांकि टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही क्योंकि अयहिका मुखर्जी को जियांग जेंग से पराजय झेलनी पड़ी। लेकिन मनिका बत्रा ने जिंग्यी झोउ को हराकर स्कोर बराबर किया और फिर श्रीजा अकुला ने जिन रू वोंग को पराजित कर भारत को बढ़त दिला दी।

अंतिम एकादश में जगह नहीं मिलने पर हताश नहीं होना चाहिए

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का मानना है कि किसी भी खिलाड़ी को अंतिम एकादश में जगह नहीं मिलने पर हताश नहीं होना चाहिए और उन खिलाड़ियों का समर्थन करना चाहिए जिनको टीम में जगह मिली है। शमी से जब पूछा गया कि उन्हें वनडे क्रिकेट में कम मौके मिल रहे हैं तो उन्होंने कहा, जब मैं नियमित तौर पर क्यों खेल रहा था, तब किसी ने किसी को बाहर बैठना पड़ा होगा और उसके लिए मैं दोषी नहीं था। इसलिए यदि आपको टीम में जगह नहीं मिलती तो हताश नहीं होना चाहिए क्योंकि टीम जीत रही है। भारतीय टीम प्रबंधन ने संकेत दिए हैं कि आगामी विश्व कप के दौरान जब वह अपनी सबसे मजबूत टीम के साथ खेलेगा तो जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज उसके दो प्रमुख तेज गेंदबाज होंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 51 रन देकर पांच विकेट लेने वाले शमी ने हालांकि कहा कि जब आप बहुत अधिक मैच खेल रहे होते हैं तो फिर रोटेशन बुरी चीज नहीं होती। शमी ने भारत की जीत के बाद संवाददाताओं से कहा, यह टीम की रणनीति है और इस पर कायम रहना महत्वपूर्ण है। आप हमेशा अंतिम एकादश में जगह नहीं बना सकते हैं तथा काफी कुछ टीम के संयोजन पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, अगर आप अच्छा खेल रहे हैं और अगर आपको अंतिम एकादश में जगह नहीं मिलती है तो आपको उन खिलाड़ियों का समर्थन करना चाहिए जो खेल रहे हैं। मेरा मानना है कि हताश होने का कोई मतलब नहीं है तथा टीम मुझे जो भी भूमिका सौंपती है मैं उसको निभाने के लिए तैयार रहता हूं। शमी से पूछा गया कि क्या वह रोटेशन नीति का समर्थन करते हैं, उन्होंने कहा, आप जो जानने की कोशिश कर रहे हैं वह मेरी समझ से परे है लेकिन निश्चित तौर पर जब आप टीम का गठन करते हैं तो कोच की भूमिका परिस्थितियों को देखते हुए खिलाड़ियों को रोटेट करने की होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विश्व कप जैसी बड़ी प्रतियोगिता से पहले रोटेशन की नीति को अपनाना सही है। शमी ने कहा, आपने रोटेशन के कारण अच्छे परिणाम देखे होंगे और मेरा मानना है कि विश्व कप से पहले खिलाड़ियों पर अधिक बोझ नहीं डालना चाहिए। रोटेशन की नीति सही तरह से चल रही है और हमें अच्छे परिणाम मिल रहे हैं।

बॉडी बनाने के चक्कर में कर ना बैठे ये गलतियां बढ़ सकता है हार्ट अटैक का खतरा

आज के दौर में युवाओं में बेहतर बॉडी पाने का क्रेज बढ़ रहा है। अधिकांश जिम उत्साही युवाओं से भरे हुए हैं जो अपनी फिटनेस के वांछित स्तर को प्राप्त करने के लिए पसीना बहा रहे हैं। हालांकि जिम में वर्कआउट करना समग्र स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, लेकिन सतर्क रहना और कुछ गलतियों से बचना ज़रूरी है जो दिल के दौरे के खतरे को बढ़ा सकती हैं। दुर्भाग्य से, बेहतर शरीर बनाने की चाहत में, कई व्यक्ति ऐसी प्रथाओं को अपनाते हैं जिनके उनके हृदय स्वास्थ्य पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं। इस तरह की प्रथाओं में लंबे समय तक लगे रहने से जीवन के लिए खतरा पैदा हो सकता है। इस लेख में आपको बताएंगे कि जिम में वर्कआउट करते समय किन गलतियों से बचना चाहिए जो संभावित रूप से दिल के दौरे का कारण बन सकती हैं।

फिट और सुडौल शरीर की चाहत ने कई लोगों, विशेषकर युवा पीढ़ी को उत्साह के साथ जिम जाने के लिए प्रेरित किया है। हालांकि, यह समझना महत्वपूर्ण है कि जिम में वर्कआउट करना जोखिम से खाली नहीं है, खासकर जब बात हृदय स्वास्थ्य की हो। हृदय रोग विशेषज्ञों ने कुछ प्रथाओं और गलतियों के प्रति चेतावनी दी है जो हृदय पर हानिकारक प्रभाव डाल सकती हैं। आज की तेज़-तर्रार दुनिया में, लोग अक्सर यह सोचे बिना कि इसका उनके हृदय स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ सकता है, जिम जाना शुरू कर देते हैं।

हृदय रोग विशेषज्ञ से परामर्श–
फिटनेस यात्रा शुरू करने से पहले, व्यक्तियों, विशेष रूप से 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों या पहले से ही हृदय रोग से पीड़ित लोगों को हृदय रोग विशेषज्ञ से परामर्श करने की सलाह दी जाती है। यह प्रारंभिक परामर्श यह आकलन करने में मदद कर सकता है कि क्या कोई अंतर्निहित हृदय संबंधी समस्याएं हैं जो कठोर व्यायाम से बढ़ सकती हैं। इस कदम को नजरअंदाज करना जीवन के लिए खतरा साबित हो सकता है, क्योंकि किसी के दिल की स्थिति को जाने बिना ज़ोरदार वर्कआउट में शामिल होने से प्रतिकूल परिणाम हो सकते हैं।

पूरक खतरे
बेहतर शरीर की चाहत में लोगों द्वारा की जाने वाली आम गलतियों में से एक है सप्लीमेंट्स का अत्यधिक उपयोग। जबकि सही ढंग से और पेशेवर मार्गदर्शन के तहत उपयोग किए जाने पर पूरक फायदेमंद हो सकते हैं, लेकिन दुरुपयोग होने पर वे महत्वपूर्ण जोखिम भी पैदा कर सकते हैं। कुछ सप्लीमेंट्स में ऐसे तत्व होते हैं जो हृदय की कार्यप्रणाली को खराब कर सकते हैं और संभावित रूप से दिल का दौरा या कार्डियक अरेस्ट का कारण बन सकते हैं। हृदय रोग विशेषज्ञ पूरक आहार के अंधाधुंध उपयोग के खिलाफ सलाह देते हैं, और उन्हें अपने फिटनेस आहार में शामिल करने से पहले एक स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर से परामर्श करना महत्वपूर्ण है।

आयु और

तनाव– दीर्घकालिक तनाव हृदय पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। ध्यान, योग, गहरी सांस लेने के व्यायाम और प्रियजनों से सहायता लेने जैसी तनाव कम करने की तकनीकें तनाव को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद कर सकती हैं।

जीवनशैली कारक
हाल के दिनों में, युवा व्यक्तियों में दिल के दौरे का खतरा चिंताजनक रूप से बढ़ गया है। इस प्रवृत्ति में कई कारक योगदान करते हैं, जिनमें अस्वास्थ्यकर जीवनशैली, खराब आहार विकल्प, अत्यधिक तनाव, धूम्रपान और सीओवीआईडी – 19 महामारी का प्रभाव शामिल है। हृदय रोग विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि हृदय स्वास्थ्य बनाए रखना सभी उम्र के लोगों के लिए महत्वपूर्ण है।

जीवनशैली में बदलाव का महत्व
हृदय संबंधी समस्याओं से बचाव के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाना सर्वोपरि है। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, तनाव प्रबंधन और धूम्रपान से परहेज हृदय-स्वस्थ जीवन के प्रमुख घटक हैं। जीवनशैली में ये बदलाव न केवल दिल के दौरे के खतरे को कम करते हैं बल्कि समग्र कल्याण को भी बढ़ावा देते हैं।

संतुलित आहार– फलों, सब्जियों, साबुत अनाज, दुबले प्रोटीन और स्वस्थ वसा से भरपूर आहार अच्छे हृदय स्वास्थ्य में योगदान दे सकता है। प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, शर्करा युक्त पेय और अत्यधिक नमक का सेवन कम करना आवश्यक है।

नियमित व्यायाम– स्वस्थ हृदय के लिए शारीरिक गतिविधि आवश्यक है। नियमित व्यायाम करने से हृदय संबंधी फिटनेस में सुधार, स्वस्थ वजन बनाए रखने और रक्तचाप कम करने में मदद मिलती है। पैदल चलना, जॉगिंग, तैराकी और साइकिल चलाना जैसे हृदय संबंधी व्यायाम विशेष रूप से फायदेमंद होते हैं।

धूम्रपान बंद करना– धूम्रपान हृदय रोग के लिए एक प्रमुख जोखिम कारक है। धूम्रपान छोड़ना उन सर्वोत्तम चीज़ों में से एक है जो व्यक्ति अपने हृदय के स्वास्थ्य के लिए कर सकते हैं। इस यात्रा में धूम्रपान समाप्ति कार्यक्रम और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों का समर्थन अमूल्य हो सकता है। ●

फैटी लीवर रोग एवं डायबिटीज

एनएएफएलडी / नैश
एनएएफएलडी / एनएएसएच को कभी-कभी फैटी लीवर रोग या हेपेटिक स्टीटोसिस भी कहा जाता है। इसे लीवर में अतिरिक्त वसा के निर्माण के रूप में परिभाषित किया गया है। जैसा कि इसके नाम से पता चलता है, भारी शराब के सेवन से इस तरह के लिवर रोग नहीं होते हैं। लिवर में वसा के जमा होने से सूजन हो जाती है, जिसके परिणामस्वरूप लिवर में घाव और फाइब्रोसिस हो जाता है, जिससे सिरोसिस और लिवर फेल हो जाता है। सामान्य जनसंख्या में एनएएफएलडी की घटना 25 प्रतिशत से 29 प्रतिशत है। गैर-अल्कोहल फैटी लीवर रोग (एनएएफएलडी) और टाइप 2 मधुमेह के बीच मजबूत संबंध है। टाइप 2 मधुमेह वाले 70 प्रतिशत मोटे रोगियों में एनएएफएलडी होता है। एनएएफएलडी का स्पेक्ट्रम साधारण स्टीटोसिस से लेकर गैर-अल्कोहल स्टीटोहेपेटाइटिस तक होता है जिसमें फाइब्रोसिस और सिरोसिस की विभिन्न डिग्री होती है।

डॉ. अशोक झिंगन

जोखिम
संबंधित जोखिम कारक निम्नलिखित हैं-
-मोटापा
-उच्च रक्तचाप
-क्रोनिक उच्च रक्तचाप, जो मधुमेह वाले लोगों में अधिक आम है।
-उच्च कोलेस्ट्रॉल स्तर
-जो वयस्क मोटापे और टाइप 2 मधुमेह दोनों के साथ रहते हैं, उनका अनुमान 70 प्रतिशत से अधिक है।

कारण-
मधुमेह से पीड़ित लोगों में एनएएफएलडी का मुख्य कारण अधिक वजन या मोटापा है। वजन घटाना एनएएफएलडी की प्रगति को धीमा करने या विकास को उलटने का एक तरीका है।
-आपके लीवर में बहुत अधिक वसा लीवर में सूजन का कारण बन सकती है, जो आपके लीवर को नुकसान पहुंचा सकती है और घाव बना सकती है। गंभीर मामलों में, यह घाव लीवर की विफलता का कारण बन सकता है।
जब बहुत अधिक शराब पीने वाले व्यक्ति में फैटी लीवर विकसित हो जाता है, तो इसे अल्कोहलिक फैटी लीवर रोग (एएफएलडी) के रूप में जाना जाता है।
-जो व्यक्ति बहुत अधिक शराब नहीं पीता, उसमें इसे नॉनअल्कोहलिक फैटी लीवर रोग (एनएएफएलडी) के रूप में जाना जाता है।
-अध्ययनों से पता चलता है कि आपके शरीर के वजन का केवल 7 प्रतिशत से 10 प्रतिशत कम करना निरंतर वजन घटाने का सबसे अच्छा तरीका है। आप नियमित शारीरिक व्यायाम और कैलोरी प्रतिबंध के माध्यम से ऐसा कर सकते हैं।
उच्च फ्रुक्टोज की खपत भी एनएएफएलडी के विकास से जुड़ी है। प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ और सोडा जैसे उच्च चीनी वाले खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों को सीमित करना या उनसे परहेज करना भी एनएएफएलडी की प्रगति को रोकने या धीमा करने में सहायक हो सकता है।
-एनएएफएलडी उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल वाले लोगों में भी आम है। यदि आपके पास एनएएफएलडी है और यह एनएएसएच तक बढ़ गया है, तो कुछ अध्ययनों में स्टैटिन लेने से लीवर की कार्यप्रणाली में सुधार और हृदय संबंधी घटनाओं में कमी आई है।

उन्नत यकृत रोग के लक्षणों में शामिल हैं
जी मिचलाना, वजन घटना, भूख में कमी, त्वचा और आंखों के सफेद भाग का पीला पड़ना (पीलिया)
पेट और पैरों में सूजन मानसिक भ्रम की स्थिति
अत्यधिक थकान
मांसपेशियों में कमजोरी
एनएएफएलडी ग्लूकोज के अत्यधिक उत्पादन का कारण बन सकता है, जिससे इंसुलिन प्रतिरोध और असामान्य रक्त शर्करा का स्तर बढ़ सकता है। समय के साथ, यह प्रीडायबिटीज और टाइप 2 डायबिटीज में विकसित हो सकता है। ●

इन फूड्स से शादीशुदा बना लें दूरी

शादी के बाद ज्यादातर पुरुष की चाहत होती है कि वो एक दिन पिता बने, लेकिन कई बार स्पर्म काउंट घटने की वजह से उन्हें नपुंसकता का सामना करना पड़ता है। ये एक ऐसी समस्या है जिसे मर्द बयान करने से बचते हैं क्योंकि इसकी वजह से उन्हें शर्मिंदगी और लो कॉन्फिडेंस का सामना करना पड़ता है। WHO ने इनफर्टिलिटी को ग्लोबल पब्लिक हेल्थ कंसर्न की कैटेगरी में रखा है। इस परेशानी के पीछे हमारी खाने पीने की कुछ बुरी आदतें जिम्मेदार होती हैं। आइए जानते हैं कि वो कौन-कौन से फूड्स हैं जिन्हें खाने से सपर्म काउंट घट जाता है।

सोया प्रोडक्ट्स
सोया प्रोडक्ट्स को आमतौर पर न्यूट्रीशनल फूड माना जाता है क्योंकि ये वेजिटेरियन फूड्स खाने वालों के लिए प्रोटीन का रिच सोर्स है। अगर आपको नपुंसकता का डर है तो इसे खाना कम कर दें। सोया में एस्ट्रोजेनिक आइसोफ्लेवोन्स पाया जाता है जिससे एस्ट्रोजेन का लेवल बढ़ जाता है और टेस्टोस्टेरोन का स्तर घटने लगता है जिससे न सिर्फ स्पर्म काउंट, बल्कि स्पर्म क्वालिटी भी प्रभावित होती है।

सोडा ड्रिंक्स
सोडा से भरपूर ड्रिंक्स पीने का ट्रेंड कई दशकों से चला आ रहा है इसे न पीने की सलाह दी जाती है, लेकिन लोग फिर भी नहीं मानते। सोडा से भरपूर पेय पदार्थ पीने सरे न सिर्फ स्पर्म काउंट कम होता है, बल्कि स्पर्म की गतिशीलता में भी कमी आती है। ये सपर्म के डीएनए को भी नुकसान पहुंचाता है।

कैन्ड फूड्स

डिब्बे और टिन में बंद फूड्स में बिस्फेनॉल नामक पदार्थ होते हैं जो स्पर्म को काफी ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। इससे टेस्टोस्टेरोन लेवल पर भी काफी बुरा असर पड़ता है। इसलिए डिब्बाबंद फलों और खाद्य पदार्थों से जितना हो सके दूर रहने की कोशिश करें। ●

एक चम्मच मलाई से मिलेगी ग्लोइंग स्किन

बेदाग निखार के लिए लोग तरह-तरह के स्किन ट्रीटमेंट करवाते हैं। मार्केट में भी ऐसे कई सारे प्रोडक्ट्स मौजूद हैं, जिसका लोग स्किन केयर में इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि, कई बार यही ब्यूटी प्रोडक्ट्स स्किन को ज्यादा नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं, लेकिन आपको बता दें कि ग्लोइंग त्वचा पाने के लिए आप मलाई का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।
मलाई से स्किन सॉफ्ट होती है। इसके साथ ही, त्वचा पर एक्ने और पिंपल्स की समस्या भी नहीं रहती है। चलिए आपको बताते हैं किस तरह चेहरे पर मलाई का इस्तेमाल करने से आप ग्लोइंग त्वचा पा सकते हैं।

चेहरे पर मलाई लगाने के फायदे ?
चेहरे पर मलाई लगाने के कई सारे फायदे हैं. स्किन के लिए ये बहुत असरदार है। मलाई चेहरे की त्वचा को लचीला बनाने में काफी मददगार होती है। मलाई में विटामिन ए भरपूर मात्रा में पाया जाता है और ये विटामिन त्वचा को मुलायम बनाने के साथ-साथ खूबसूरत भी बनाती है।

कैसे पाएं ग्लोइंग त्वचा ?
ग्लोइंग त्वचा पाने के लिए सबसे पहले कटोरी में दो चम्मच मलाई और इतने ही चम्मच मुल्तानी मिट्टी मिलाएं। अब आप मलाई और मुल्तानी मिट्टी को अच्छी तरह से मिलाएं। अब आप किसी ब्रश की मदद से इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं. इसे फेस पैक की तरह भी इस्तेमाल किया जा सकता है।
इसे चेहरे पर लगाने के करीब 20 मिनट बाद पानी और रुई की मदद से साफ कर लें. इस फेस पैक को हफ्ते में दो से तीन बार इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपकी त्वचा पर बेदाग निखार आएगा।

लेकिन रखें इस बात का ध्यान
मुल्तानी मिट्टी और मलाई दोनों ही स्किन के लिए बेहद फायदेमंद हैं। हालांकि, स्किन एक्सपर्ट ये भी सलाह देते हैं कि किसी भी फेस पैक का इस्तेमाल करने से पहले हमें पैच टेस्ट जरूर करना चाहिए या फिर किसी एक्सपर्ट से सलाह जरूर करें। कई बार कुछ चीजें स्किन पर एलर्जिक रिएक्शन कर सकती हैं. इसलिए किसी भी फेस पैक का इस्तेमास करने से पहले पैच टेस्ट जैसी कुछ जरूरी बातों का ध्यान जरूर रखें। ●

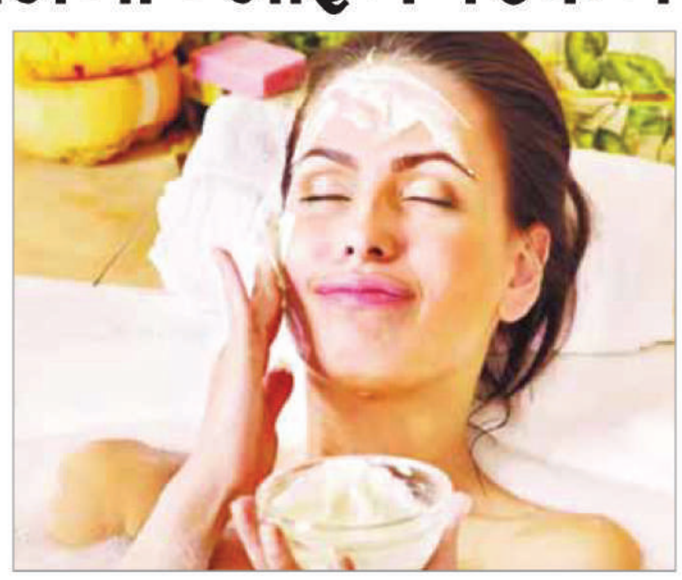

कई गुणों से भरपूर है अदरक

अदरक हमारे किचन का एक अहम हिस्सा है, इसकी मदद से हम कई तरह की रेसेपीज का टेस्ट बढ़ा सकते हैं, लेकिन ये किसी आयुर्वेदिक औषधि से कम नहीं है। अगर इसे कच्चा चबाएंगे, इसका जूस पिएंगे या फिर इसे हर्बल टी के साथ सेवन करेंगे तो ये हमारे स्वास्थ के लिए लाभकारी हो सकता है। अदरक में जिंजरोल नाम कंपाउंड पाया जाता है जो बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा इसमें विटामिन बी3, विटामिन बी6, विटामिन सी, आयरन , पोटेशियम, मैग्नीशियम , पोटेशियम, जिंक, फोलेट , राइबोफ्लेविन और नाइसिन जैसे न्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं। आइए जानते हैं कि अदरक खाने से क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

अदरक खाने के फायदे

डाइजेशन होगा दुरुस्त
अदरक में पाए जाने वाले एंजाइम्स पाचन को सुधारने में मदद करते हैं, जिससे आपका पेट सही तरीके से काम करता है, जिससे गैस, कब्ज और अपच जैसी परेशानियां नहीं आतीं।

इम्यून सिस्टम होगा मजबूत
अदरक विटामिन सी का अच्छा सोर्स होता है और यह इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद करता है, जिससे रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

ब्लडप्रेशर को करें कंट्रोल
अदरक में पाए जाने वाले अंटीऑक्सीडेंट्स और नेचुरल डॉयरेटिक्स ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद कर सकते हैं।

स्किन को रखे हेल्दी
अदरक में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स स्किन को सेहतमंद और चमकदार बनाते हैं, और त्वचा की सौंदर्य बढ़ने लगता है।

वजन होगा कम
अदरक वजन कम करने में मदद कर सकता है क्योंकि इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स फैट को बर्न करते हैं।

सर्दी-जुकाम से बचाव
अदरक गर्मी पैदा करने वाला होता है और इसलिए सर्दी-जुकाम से बचाव में मदद करता है।

डायबिटीज से बचाव
अदरक का सेवन डायबिटीज के रिस्क को कम करने में मदद कर सकता है और ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता है।

गठिया के मरीजों के लिए फायदेमंद
अदरक में मौजूद एंटी-इन्फ्लेमेंटरी प्रॉपर्टीज गठिया के रोगियों को राहत दिला सकता है।

तनाव करें कम
अदरक का सेवन स्ट्रेस को कम करने में मदद कर सकता है
और मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाता है। ●

दिव्य कला मेला वाराणसी में दिया गया स्टार्टअप का मूल मंत्र

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वाराणसी के टाउन हॉल में दिव्यांगजन के लिए राष्ट्रीय स्तर का मेला लगाया गया है इस मेले का उद्घाटन 15 सितंबर 2023 को केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री श्री ए नारायणस्वामी द्वारा किया गया था` गौरतलब है कि यह मेला दिव्यांगजन को उद्यमी और शिल्पकार के रूप में विकसित करने तथा उन्हें विकास का मौका देने की कोशिश है इस तरह के मेलों और प्रदर्शनियों में दिव्यांगजनों को स्टॉल निःशुल्क आवंटित किये जाते हैं ताकि अपनी प्रतिभा को बड़े शहर और बड़े मंच में प्रदर्शित कर सकेइस मेले में लगभग 20 राज्यों केंद्र शासित प्रदेशों के 100 से अधिक दिव्यांग कारीगर , कलाकार और उद्यमी अपने उत्पादों और कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं इस मेले में देश भर के स्वादिष्ट व्यंजन का स्वाद लिया जा सकता है और प्रतिदिन शाम को 6 से 10 बजे

तक राष्ट्रीय के कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जा रहे हैं` विभिन्न राज्यों के दिव्यांगजन तथा राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों द्वारा भी मेले के मंच पर प्रस्तुतियां दी गई जिसे लोगो द्वारा काफी सराहा गया मेले में बड़ौदा यूपी ग्रामीण बैंक के अधिकारियों द्वारा दिव्यांगजन को लोन देने के संबंध में पंजीकरण किया जा रहा है` इस मेले में 'स्माल स्टार्टअप्स चुनौतियाँ व समाधान' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया इस कार्यशाला में लखनऊ निवासी इन्वेस्टर तथा स्टार्टअप्स एक्सपर्ट, निनिन त्रिपाठी द्वारा स्टार्टअप के गुर बताते हुए आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के बारे में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया उन्होंने प्रभावी तथा रोचक तरीके से दिव्यांग लघु उद्यमियों का मार्गदर्शन किया इस कार्यशाला में बेंगलुरु से तिलकम राजेंद्रन द्वारा भी लेक्चर दिया गया` तिलकम राजेंद्रन लगभग तीन दशक से दिव्यांगजन के सशक्तिकरण संबंधी कार्य से जुड़ी हुई है उन्होंने अपने व्यवहारिक अनुभवों का हवाला देते हुए दिव्यांगजन से अपील की कि वे इंटरनेट तथा मोबाइल का सही उपयोग करते हुए अपने अंदर उद्यमिता का विकास करें इस कार्यशाला का लाइव प्रदर्शन एनडीएफडीसी के यूट्यूब हैंडल @ndfdcindia पर भी किया गया` भारत सरकार का निगम नेशनल दिव्यांगजन फाइनैंस एंड डिवैल्पमेंट कार्पोरेशन इस मेले की नोडल एजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है इस मेले के जरिए दिव्यांगजन की सृजनात्मक प्रतिभा को उभारने तथा उनके आर्थिक सशक्तिकरण का कार्य किया जा रहा है` दिव्य कला मेले के जरिए दिव्यांगजन के प्रोडक्ट्स की मार्केटिंग की जा रही है दिव्य कला मेला के ब्रेंड नेम से देश भर में राष्ट्रीय स्तर के मेले आयोजित किए जा रहे हैं ये मेले हुनरमंद दिव्यांगजन की काबलियत को देश और दुनिया के सामने ला रहे हैं` कार्यशाला में दिव्यांगजन के सशक्तिकरण हेतु एनएचएफडीसी द्वारा चलाई जा रही आर्थिक सशक्तिकरण की योजनाओं के बारे में भी बताया गया निगम की योजनाओं के तहत दिव्यांगजन को विभिन्न आय सृजन गतिविधियों के लिए पचास हजार रुपए से पचास लाख रुपए तक के ऋण प्रदान किए जाते है ये ऋण 4 % सालाना से 9% की ब्याज दर पर उपलब्ध कराए जाते हैं निगम अपनी ऋण योजनाओं को विभिन्न राज्यों में मौजूद अपनी स्टेट चैनेलाइजिंग एजेंसियों, पंजाब नेशनल बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के जरिए अमली जामा पहनाता हैं` निगम की योजनाओं की जानकारी निगम की वेबसाइट www.nhfdc.nic.in पर उपलब्ध है इस कार्यशाला का समन्वयन तथा संचालन अरुण कुमार, मुख्य प्रबंधक द्वारा किया गया इस मौके पर निगम के जीएम अनिल कुमार ने बताया कि दिव्यांग उद्यमियों, शिल्पकारों और कलाकारों का यह राष्ट्रीय मेला 24 सितंबर 2023 तक चलेगा इस मेले में सभी के लिए एंट्री फ्री रखी गई है।

1.750 कि.ग्रा. अवैध गाँजा व मोटरसाइकिल के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। थाना दिलदारनगर पुलिस द्वारा आज दिनांक 23.09.2023 को 1.750 कि.ग्रा. अवैध गाँजा व एक मोटरसाइकिल के साथ 1 अभियुक्त को किया गिरफ्तार। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी जमानियां व प्रभारी निरीक्षक थाना दिलदारनगर के निकट पर्यवेक्षण में व0उ0नि0 चन्द्रशंकर मिश्र मय हमराह द्वारा वायरलेस चौहारा पर एक व्यक्ति को मोटर साइकिल के साथ पकडा गया, जिसके कब्जे से एक किलो सात सौ पचास नाजायज गांजा बरामद किया गया। कडाई से पूछताछ करने पर पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम आजम कुरैशी पुत्र स्व. शाहजहा कुरैशी निवासी मिर्चा थाना दिलदारनगर, गाजीपुर बताया। उसने बताया कि यह जो मो0सा0 है चोरी की है। जिसे कुछ दिन पहले बिहार प्रान्त के भभुआ जिला थाना क्षेत्र मोहनिया से चुराया था। इसी मो0सा0 मै चोरी छिपे गांजा बेचता हूं और गांजा पीता हूँ। मो0सा0 की चोरी होने के बाद सम्बन्धित थाना मोहनिया से सम्पर्क किया गया तो जानकारी हुई चोरी के सम्बन्ध में थाना मोहनिया पर मु0अ0सं 663/23 धारा 379 भादवि का पंजीकृत है।

धर्म संघ परिसर में हरि बोल सेवा समिति एवं श्री अग्रसेन सेवा संस्थान द्वारा श्री कृष्ण रासलीला महोत्सव का भव्य आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सेवा कार्यों में सदैव अग्रणी संस्थान श्री अग्रसेन सेवा संस्थान तथा काशी की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था हरि बोल सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय रासलीला के छठवें दिन सुदामा चरित्र प्रसंग का मंचन किया गया। प्रसंग में सुदामा की दीन हीन दशा, पत्नी द्वारा श्रीकृष्ण के पास भेजने की जिद, पोटली में चावल रखकर द्वारिका धाम पहुंचना शामिल था` मंचन में द्वारपाल द्वारा श्रीकृष्ण को गरीब ब्राह्मण के आने की सूचना देना, सूचना पाकर भगवान के नंगे पांव दौड़ना, खुद जमीन पर बैठकर सिंहासन पर सुदामा को बैठाना, आंसू से पैर धोना, देख श्रद्धालु भाव विभोर रहे उसके बाद कन्हैया ने जानकर सुदामा से पूछा की वह उनके लिए क्या तोहफा लाए हैं, जिस पर शर्म के कारण सुदामा ने इंकार करते हुए कहा कुछ भी नही तब विनोदवश कन्हाई बोले, क्यों झूठ बोलते हो मित्र, क्या बचपन की ही तरह मेरे हिस्से के चावल भी खाना चाहते हो? यह कहकर कन्हैया ने स्वयं उनसे वो पोटली ले ली और चावल खाने

लगे जैसे ही कन्हैया ने एक मुट्ठी चावल खाए सुदामा को एक लोक की संपत्ति दे दी, दूसरे मुट्ठी चावल खाए और दो लोको की संपत्ति दे दी जैसे ही उन्होंने तीसरी मुट्ठी चावल खाना चाहा तभी रुकमिणी जी ने उनका हाथ रोक लिया और बोली, प्रभु अगर तीसरे लोक की संपत्ति भी आप इन्हें ही दे देंगे तो बाकी सब जीव कहा जाएंगे? यह सुन कन्हैया रुक गए इसके बाद कन्हैया ने प्रेमपूर्वक सुदामा को विदा किया और सुदामा की बिगड़ी बना दी प्रसंग में मित्रवत प्रेम को निश्छल एवं सभी सीमाओं से परे बताया गया। इस अवसर पर रासलीला के संयोजन से जुड़े संतोष कुमार अग्रवाल आढ़त वाले (अध्यक्ष, श्री अग्रसेन सेवा संस्थान), कृष्ण शरण अग्रवाल (संयोजक), अनिल कुमार जैन (संरक्षक, संकल्प संस्था), संतोष जी (कर्णघंटा), सचिन अग्रवाल आढ़त वाले, समित अग्रवाल, अमर कुमार रस्तोगी (महामंत्री, हरि बोल सेवा समिति), श्रीमोहन जी, विवेक अग्रवाल, रवि रस्तोगी,आलोक शाह, राजकिशोर अग्रवाल, अनिल बंसल, गिरधर अग्रवाल, दीपक अग्रवाल लायंस, पवन अग्रवाल चैतन्य श्री अनिल बंसल अजीत मेहरोत्रा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

किशोरी भगाने के आरोपित के खिलाफ कुर्की नोटिस जारी

प्रखर खेतासराय जौनपुर। किशोरी भगाने के एक आरोपित के खिलाफ अदालत ने धारा 82 के तहत कुर्की नोटिस जारी कर दिया है। साजिश के इस खेल में आरोपित की बहन भी मुलजिम है। खेतासराय पुलिस ने न्यायालय से अब धारा 83 के तहत कुर्की की तैयारी शुरू कर दी हैं। इस सम्बंध में खेतासराय थाने के प्रभारी निरीक्षक इंस्पेक्टर राजेश यादव ने कहा कि यह बेहद ही गंभीर मामला है। धारा 82 के तहत आरोपित के पैतृक आवास पर कुर्की नोटिस चस्पा कर दी गई है। उन्होंने बताया कि 83 का आदेश मिलते ही बहुत जल्द आरोपित के घर कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। खेतासराय थाना क्षेत्र के ग्राम सभा शाहापुर निवासी आशीष यादव पुत्र रामबचन यादव ने अपने ही गांव की एक किशोरी जिसे वह मुंह बोली बहन बताता था। बीते 30 सितम्बर 2022 की रात 12 बजे किशोरी को बहला फुसला कर घर से भगा ले गया। किशोरी को भगाने में आशीष यादव की बहन डिंपल यादव की मुख्य भूमिका थी। सुबह परिवार वालों को मालूम हुआ तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई । क्योंकि जिसे

साजिश में बहन डिंपल यादव भी है मुलजिम

वह अपने घर आने जाने वाले एक भाई के रूप में मानते थे, वहीं उनकी बेटी को भगा ले जाएगा। इसके बारे में सोच कर ही वह लोग परेशान थे। काफी खोजबीन के बाद जब कोई सुराग नहीं लगा तो आखिरकार 5 अक्टूबर 2022 को खेतासराय पुलिस ने किशोरी भगाने के आरोप में आशीष यादव पुत्र रामबचन यादव निवासी ग्राम सभा शाहपुर और उसकी बहन डिंपल यादव के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 197, 2022 , आईपीसी की धारा 366, 120 बी के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू किया । उधर खेतासराय पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार करने के लिए दबीश शुरू किया तो उसकी बहन डिंपल यादव ने अदालत में हाजिर होकर अपनी जमानत करा लिया। जबकि किशोरी भगाने के मुख्य आरोपित आशीष यादव जो काफी मनबढ़ किस्म का है वह आज तक न ही अदालत में हाजिर हुआ। न ही पुलिस के शिकंजे में आया। करीब एक साल से फरार चल रहे इस आरोपित के खिलाफ अपर मुख्य न्यायिक प्रथम की अदालत ने 82 के तहत नोटिस जारी किया है। खेतासराय थाने के उप निरीक्षक महंगू यादव ने पुलिस टीम के साथ आरोपित आशीष यादव के घर पहुंच कर कुर्की नोटिस चस्पा कर दिया है।

श्री विश्वकर्मा भगवान की निकाली गई झांकी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। 22 सितंबर दिन शुक्रवार को सुबह 11:00 बजे से लंका मैदान गाजीपुर में जनपद स्तरीय श्री विश्वकर्मा पूजन उत्सव का कार्यक्रम किया गया, जिसमें श्री विश्वकर्मा भगवान की झांकी निकाली गई। यह झांकी लंका मैदान से निकलकर सकलेनाबाद, विषेशरगंज, मिश्रबाजार, महुआ बाग, कचहरी होते हुए पुनःलंका मैदान में पहुंचकर श्री विश्वकर्मा जी की विद्वत पूजा कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए सभी अतिथियों का माल्यार्पण किया गया तथा श्री विश्वकर्मा की प्रतिमा देकर सभी अतिथि को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष राम अवतार विश्वकर्मा, सदर विधायक जय किशन साहू ने अपने संबोधन में कहा कि हम विश्वकर्मा समाज के साथ है और जिसका योगदान बलिदान समाज में बहुत महत्वपूर्ण है। विधायक डॉ. वीरेंद्र यादव के प्रतिनिधि रामबरत, विधायक ओम प्रकाश सिंह के प्रतिनिधि मन्नू सिंह, मदन मोहन विश्वकर्मा, सपा जिला अध्यक्ष गोपाल यादव, सुदर्शन यादव, जिला अध्यक्ष विभा पाल, जिला अध्यक्ष रीता विश्वकर्मा और सांस्कृतिक कार्यक्रम में पंचदेव विश्वकर्मा, ब्रिगेड जिला अध्यक्ष चंदन विश्वकर्मा, संरक्षक रामनारायण विश्वकर्मा, हरिंदर विश्वकर्मा, नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा, विनोद शर्मा, दिना विश्वकर्मा, ओमप्रकाश विश्वकर्मा, सिद्धनाथ विश्वकर्मा, प्रवीण विश्वकर्मा, राजेश विश्वकर्मा, कांग्रेस नगर अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा, योगेंद्र विश्वकर्मा, अमित राय,

प्यारेलाल मीडिया प्रभारी आदि शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन कार्यवाहक जिला अध्यक्ष भरत शर्मा ने जिले के दूर दराज से आए हुए सभी विश्वकर्मा भाईयो को धन्यवाद दिया और कहा कि हम सभी संगठित होकर विश्वकर्मा समाज के अधिकारियों द्वारा की लड़ाई को लड़ने का कार्य किया जाएगा तथा राजनीति में अगली कुर्सी पर बैठने का कार्य किया जाएगा। सभा में जनपद के सभी विश्वकर्मा बंधु सम्मिलित रहे। अध्यक्ष भरत शर्मा अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा गाजीपुर ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले मेधावियों का हुआ सम्मान, खिल उठे चेहरे

सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्राओं ने दी शानदार प्रस्तुति, चंद्रयान की सफलता पर कई कार्यक्रम बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। क्षेत्र के बेहड़ा गांव स्थित सुखमय बालिका इंटर कॉलेज में शनिवार को मेधावी प्रोत्साहन, सम्मान समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें हाईस्कूल एवं इंटर बोर्ड परीक्षा के मेधावी छात्राओं व अन्य कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रतीक चिह्न व नकदी देकर सम्मानित किया गया। संस्था के प्रबंधक सत्य कुमार सिंह ने छात्राओं को सबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता हासिल करने के लिए एक लक्ष्य का तय होना जरूरी है। यदि आप दसवीं में या 12वीं में हैं तो आपका एक लक्ष्य निश्चित हो जाना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रिटायर अध्यापक व समाजसेवी ध्रुव कुमार सिंह ने कहा कि कठिन परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता, जो विद्यार्थी अनुशासन में रहकर नियमित लगन और परिश्रम के साथ पाठ्य विषयों की तैयारी करते हैं, उन्हें सफलता जरूर मिलती है। इस दौरान चंद्रयान-2 की सफलता पर बच्चों और अतिथियों ने प्रकाश डाला और कार्यक्रम के माध्यम से सफलता का हर्ष बनाया। सम्मानित होने वाली छात्राओं में इंटरमीडिएट की ज्योति कुमारी, पायल गुप्ता, रियाल यादव, सना मुस्तकी, हाई स्कूल में कनक सिंह, खुशी पांडे, ज्योति यादव, कक्षा आठ में वैभव शुक्ला, ज्योति यादव, कक्षा सात में अर्चिता सिंह, आयुषी वह कक्षा छ में अदिति शंकर, आकांक्षा सिंह, यशस्वी शुक्ला और अन्य प्राथमिक कक्षाओं के प्रथम, द्वितीय और तृतीय आए बच्चों को प्रशस्वी पत्र और नकदी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सत्य कुमार सिंह और संचालन मनीषा यादव ने किया। प्रधानाचार्य साबिर अंसारी ने आए हुए सभी अतिथियों आभार जताया। इस मौके पर डॉ मधुकर सिंह, पूर्व प्रमुख प्रमोद सिंह, ध्रुव सिंह, अंगद सिंह, भानु सिंह, चंद्रभान सिंह, बच्चन सिंह, लालजी शुक्ला आदि मौजूद रहे।

डीडीएम नाबार्ड ने केराकत कल्याण एफपीओ व प्रगतिशील डोभी एफपीओ के किसानों से एफपीओ पर की विस्तृत चर्चा

एफपीओ के किसानों से विस्तृत चर्चा करने केराकत व डोभी पहुंचे थे डीडीएम नाबार्ड

प्रखर जौनपुर। नेशनल एग्रो फाउंडेशन और नाबार्ड द्वारा संचालित केराकत और डोभी ब्लॉक, जौनपुर के किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) का प्रथम दौरा

नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक लल्लन कुमार द्वारा किया गया। डीडीएम ने सभी किसानों और एफपीओ के अंशधारकों से बातचीत करके विचारों का आदान - प्रदान किया और साथ ही साथ एफपीओ के योजनाओं से अवगत कराया। बता दे कि नाबार्ड के डीडीएम केराकत कल्याण एफपीओ के प्रधान कार्यालय बरइछ पहुंचकर किसानों से एफपीओ पर विस्तृत चर्चा की। यहां पर डीडीएम नाबार्ड का स्वागत माला पहनाकर वरिष्ठ किसान दीनानाथ पाण्डेय ने किया। एफपीओ के किसानों को संबोधित करते हुए डीडीएम नाबार्ड ने केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन पर विस्तृत जानकारी किसानों को दी। इसके पूर्व डीडीएम नाबार्ड ने डोभी ब्लॉक के प्रगतिशील डोभी एफपीओ के किसानों को संबोधित

किया और उन्हें एफपीओ पर विस्तृत जानकारी दी। एफपीओ के माध्यम से कैसे देश के किसान को कृषि के माध्यम से कैसे ज्यादा से ज्यादा लाभ हो सके इसपर विस्तृत चर्चा की। साथ ही कृषि संबन्धित योजना के बारे में तथा उससे होने वाले लाभ के बारे में भी बताया । साथ ही उन्होंने एफपीओ से जुड़ने के लिए किसान भाईयों को प्रोत्साहित भी किया। उक्त कार्यक्रमों में प्रमुख रूप से डीडीएम नाबार्ड जौनपुर, वीरेंद्र मौर्या, दोनों एफपीओ के बीओडी, दर्जनों महिला - पुरूष किसान, नेशनल एग्रो फाउंडेशन से शेखर मणि तिवारी, नितेश यादव उपस्थित रहे।

लक्ष्मी माता का सोरहिया मेला,16 दिवसीय व्रत का हुआ प्रारंभ, 6 अक्तूबर को होगा समापन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। लक्सा के लक्ष्मीकुंड स्थित सिद्ध पीठ महा लक्ष्मी मंदिर में प्रसिद्ध 16 दिवसीय सोरहिया मेला और दर्शन -पूजन भाद्रपद शुक्ल पक्ष अष्टमी शुक्रवार से प्रारंभ हुआ` भोर के मंगल बेला मैं माता को पंचामित स्नान करवा कर नूतन वस्त्र धारण करवाया गया सुबह 5 बजे आम भक्तों के लिए माता का पट खोल दिया गया, माँ लक्ष्मी के दर्शन हेतु भारी मात्रा मैं महिलाये व पुरुष कतारबद्ध हो कर दर्शन कर रहे थे` महिलाये माता की चुनरी व नारियल भेट की, बता दें कि भगवती के गर्भ गृह मैं पहले दिन मां लक्ष्मी की प्रतिमा भी महिलाये देवी को भेट करती हैं सुबह से ही भक्तों का जनसेलाब उमड़ पड़ा माता के जयकारे से गुजमान रहा दरबार` अन्नपूर्णा मंदिर के महंत शंकरपुरी ने कहा की इस बार का योग बड़ा हि लाभकारी हैं माता के इस सोलह दिन दर्शन मात्र से परिवार मैं सुख शांति और यस की प्राप्ति होंगी वही इस औसर पर पुरे मंदिर प्रांगण सुगंधित पुष्प और झालरों मालाओ से सजाया गया`

सुरक्षा बाबत जगह जगह वालंटियर लगे हुये थे भक्त कतार बद्ध होकर देर रात तक दर्शन पूजन के लिए भक्तों का ताता लगा रहा` मेला शुरू होते आस पास की गलियाँ गुलजार दिखी, मेला में भारी मात्रा मैं भक्त पहुंच रहें हैं भक्तो की भारी संख्या को देखते हुए,भिड़ नियंत्रण के लिए पुलिस बल तैनात रही।

संक्षिप्त खबरें

सहकारी समिति पर चलाया गया सदस्यता अभियान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। "सहकार से समृद्धि" के तहत बी पैक्स सदस्यता महाभियान के तहत आज देवकली ब्लॉक के देवचंदपुर सहकारी समिति पर सदस्यता अभियान चलाया गया, जिसमें भारी संख्या में किसान ने सदस्यता ग्रहण की। इस अभियान के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सहकारिता प्रकोष्ठ के संयोजक राकेश सिंह 'अलगू' ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का किसानों के आर्थिक समृद्धि के प्रति एक ही लक्ष्य है और वह है किसानों की आय दो गुना करना है और जिसे सहकारिता के माध्यम से ही किया जा सकता है। महाअभियान के विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील सिंह ने किसानों से आह्वान करते हुए कहा कि आप अधिक से अधिक संख्या में सदस्य बने और लोगों को प्रेरित कर सदस्य बना कर सरकार की सोच को साकार करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा भारतीय जनता पार्टी की सोच है आपको एक सुदृढ़ किसान और समृद्ध किसान बनाने का। अभियान में जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष सरोजेश सिंह, भारतीय जनता पार्टी जिला महामंत्री दयाशंकर पांडेय, मंडल निबंधक वाराणसी अजीत कुमार सिंह, अंसल कुमार, जिला संयोजक दुर्गेश सिंह, कैलाश चंद्र, देवेन्द्र कुमार सिंह, सतीश कुमार, प्रवीण कुमार, तेरसू यादव, अभय सिंह, अशोक यादव, राजेंद्र सिंह, प्रमोद सिंह आदि उपस्थित थे। संचालन मंडल अध्यक्ष प्रवीण त्रिपाठी ने किया।

आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन का ज्ञापन पत्र कार्यक्रम 25 तारीख को

प्रखर वाराणसी। आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन उत्तर प्रदेश का कनेक्शन लखनऊ में आयोजित किया जा रहा है। जिसके तहद हर ज़िले में ज्ञापन पत्र सौंपने का कार्यक्रम दिनांक 25-9-2023को हर जिला मुख्यालय पर जिलाधिकारी जिला पूर्ति अधिकारी को देना है इसी क्रम सोमवार प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी के नेतृत्व मे वाराणसी में11बजे ज्ञापन सौपा जायेगा जिसमें सभी प्रदेश पदाधिकारी जिला पदाधिकारी ब्लाक पदाधिकारी महानगर पदाधिकारी व कोटेदार उपस्थित होंगे।यह जानकारी जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मी पाण्डेय ने दिया।

शिक्षा के विकास के लिए समाज भी आगे आए : संजीव पांडेय

समाजसेवी ने 150 स्कूली बच्चों में पानी की बोतल, मोजा, टाई और बेल्ट का किया वितरण, प्राथमिक विद्यालय पयागपुर सामुदायिक विकास को लेकर रखता है अलग पहचान

प्रखर भदोही। विद्यालय और विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास के लिए समाज को आगे आना चाहिए। ऐसी सामाजिक गतिविधियों से हम बच्चों की सोच बदल सकते हैं और उन्हें शिक्षा के प्रति उन्मुख कर सकते हैं। जब आने वाली पीढ़ी शिक्षित होगी तो हमारे समाज की नींव बेहद मजबूत और सुदृढ़ होगी। अभोली विकासखंड के पयागपुर प्राथमिक विद्यालय में शनिवार एक कार्यक्रम के दौरान गांव के निवासी एवं सुप्रसिद्ध समाजसेवी संजीव पांडेय ने यह बात स्कूली बच्चों के बीच कही। संजीव पांडेय की तरफ से 150 स्कूली छात्र-छात्राओं को पानी की बोतल, टाई, बेल्ट और मोजे का वितरण किया गया। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा कि समाज का जो संपन्न वर्ग है शैक्षणिक विकास के लिए उसे अपना योगदान देना चाहिए। यह हमारी नैतिक सामाजिक जिम्मेदारी भी बनती है। संजीव पांडेय ने कहा कि राज्य की योगी सरकार शिक्षा के उन्नयन और विकास के लिए बेहतर काम कर रही है। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के कार्यकाल में स्कूलों को आधुनिक और मॉडर्न बनाया गया है। सरकार भी समाज के प्रबुद्ध और संपन्न लोगों से अपील करती है कि वह अपना योगदान ऐसी स्कूलों में दें। अगर आप सामाजिक और आर्थिक रूप से संपन्न है तो ऐसे स्कूलों को गोद लेकर शैक्षणिक विकास में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। इससे जहां गाँव के स्कूलों का विकास होगा वहीं शैक्षणिक विकास में आपकी भूमिका अहम होगी। इस दौरान पयागपुर विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ अनुनेश त्रिपाठी ने उपस्थित लोगों से कहा कि योगी सरकार ने शिक्षा के विकास में अहम भूमिका निभाई है। लेकिन हमारा सामाजिक दायित्व भी बनता है कि स्कूलों में अपना सहयोग दें। हम समाजसेवी संजीव पांडेय के आभारी है कि उन्होंने स्कूल को स्मार्ट बनाने में अपनी भूमिका निभाई है पूर्व में उनकी तरफ से काफी सहयोग मिला। विद्यालय में कई काम कराएं हैं। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनुनेश त्रिपाठी ने सामुदायिक सहयोग से कई विकास कार्य कराए हैं। भदोही और प्रयागराज जनपद की सीमा में स्थित पयागपुर विद्यालय सामुदायिक सहयोग और विकास के लिए अपनी अलग पहचान रखता है। शिक्षा विभाग के 19 बिंदुओं को संतृप्त करने में त्रिपाठी के प्रयासों की अहम भूमिका है। ग्राम प्रधान सुरेश पांडेय और सुरेश मौर्य के साथ शिक्षक कमलेश पांडेय, मोरारजी पांडेय, संदीप मिश्र, आलमवीर ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान दीपक सोनकर, राकेश यादव रविकांत, सत्येंद्र पटेल और दूसरे लोग उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं